जीवन दर्शन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

महानगर संस्करण

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें। - वाल्टेयर

www.globalherald.news

रविवार 5 मई, 2024 » वर्ष 13 » अंक 84 » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 6 » मूल्य ₹ 2.00

नाबालिग उम्र में घर से भागी, शादी से पहले बनीं मां, आज हैं ... पृष्ठ 6 पर

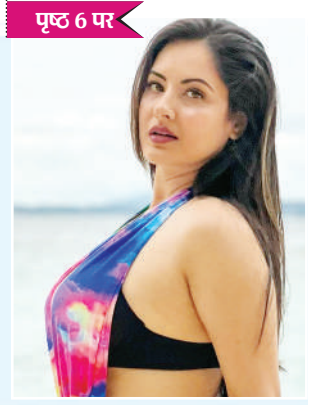

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पुलवामा जैसा आतंकी हमला, वायु सेना के वाहन पर फायरिंग, 1 जवान शहीद, 4 की हालत नाजुक

जम्मू ■

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुलवामा जैसा आतंकी हमला हुआ है। आर्तकियों ने शनिवार शाम को एक वायु सेना के वाहन को निशाना बनाकर हमला किया है। इस आतंकी हमले में पांच जवान जख्मी हो गए। घायल हुए भारतीय वायुसेना के पांच जवानों में से एक की इलाज के दौरान अस्पताल में मृत्यु हो गई है। वहीं एक और सैनिक की हालत गंभीर है और उसका इलाज जारी है। वहीं बाकी तीन जवानों की हालत स्थिर है।

वायु सेना का एक वाहन सनाइ टाप गांव की तरफ जा रहा था। रास्ते में घात लगाकर बैठे आर्तकियों की तरफ से वाहन पर फायरिंग शुरू कर दी गई। यह हमला अचानक से किया गया। हमला करने के बाद आतंकी मौके से भाग गए। इस हमले की जानकारी मिलने के बाद सेना और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। पूरे इलाके को घेर लिया गया।

आतंकी जंगल की तरफ भागे...

बताया जा रहा है कि आतंकी जंगल की तरफ भाग गए हैं। उन्हें पकड़ने के लिए अतिरिक्त टीमों को जंगल में लगाया गया है। ताकि आर्तकियों को मार गिराया जा सके। फिलहाल अधिकारिक स्तर पर कोई बयानर जारी नहीं किया गया है। लेकिन बताया गया है कि पांच जवान घायल हुए हैं।

सेना ने जारी किया बयान

सेना की तरफ से कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शाहसितार के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के वाहन काफिले पर हमला कर दिया। आतंकी हमले में घायल हुए भारतीय वायुसेना के पांच जवानों में से एक की इलाज के दौरान अस्पताल में मृत्यु हो गई है, एक और सैनिक की हालत गंभीर है और उसका इलाज जारी है जबकि बाकी तीन की हालत स्थिर है। सुरक्षा फोर्स के अधिकारी ने बताया कि स्थानीय सैन्य इकाइयों की ओर से क्षेत्र में फिलहाल घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

घायल जवानों को एयरलिफ्ट किया

सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक हमले में 5 जवान घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए उधमपुर के कमांड अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान एक जवान शहीद हो गया। बता दें कि एयरफोर्स के वाहनों के काफिले पर हुए आतंकी हमले की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इसमें एयरफोर्स की गाड़ी पर गोलियों के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। एयरफोर्स ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शाहसितार के पास भारतीय वायुसेना के वाहनों के काफिले पर आतंकवादियों ने हमला किया। स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सुकमा में भीषण मुठभेड़, जवानों की ताबड़तोड़ फायरिंग देख भाग खड़े हुए नक्सली

नक्सलियों के कोर जोन में हुए भीषण मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली। जवानों ने नक्सलियों के मांद में घुसकर लाल आतंक के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। जवानों की टीम 25 किलोमीटर तक पैदल चल कर ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों की टीम एवं नक्सलियों के बीच 3 बार भीषण मुठभेड़ हुई। नक्सली अपने सुरक्षित माने जाने वाले कोर जोन में भी सुरक्षाबलों के जवाबी कार्रवाई देख नक्सली भाग खड़े हुए। मुठभेड़ के बाद भारी मात्रा में नक्सलियों के डंप हथियार व विस्फोटक सामाग्री को बरामद किया गया।

दिल्ली में कांग्रेस को बड़ा झटका अरविंदर सिंह लवली समेत कई कांग्रेसी नेता बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली ■

लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस नेता और दिल्ली कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली बीजेपी में शामिल हो गये हैं. लवली के अलावा कांग्रेस के पूर्व विधायक राज कुमार चौहान, नसीब सिंह, नीरज बसोया और पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित मलिक दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल हुए. सभी कांग्रेसी नेताओं ने दिल्ली बीजेपी मुख्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की.

कांग्रेस को फिर तगड़ा झटका लगा है. गौरतलब है कि दिल्ली में लोकसभा का चुनाव कांग्रेस आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत लड़ रही है. कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है जबकि आम आदमी पार्टी चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रही है. ऐसे अरविंदर सिंह लवली समेत पूर्व विधायक राजकुमार चौहान, नसीब सिंह, नीरज बसोया और पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित मलिक के बीजेपी में चले जाने से कांग्रेस के लिए आगे की राह मुश्किलों भरी हो सकती है.

न्यूज ब्रीफ

राहुल को तो पाकिस्तान से चुनाव लड़ना चाहिए... कृष्णम का बड़ा बयान

रायबरेली। राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन का पर्चा दाखिल किया जिसके बाद विपक्ष हमलावर है। विपक्ष का कहना है कि वो अमेठी से डरकर भाग गए और रायबरेली को चुनाव लड़ने के लिए चुना है। ये बात तो है विपक्ष की लेकिन कभी प्रियंका गांधी के करीबी रहे आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भी राहुल के रायबरेली से चुनाव लड़ने के फैसले पर एक बात कही है। उन्होंने कहा कि अमेठी में हार के डर से राहुल गांधी ने रायबरेली से लड़ने का फैसला किया लेकिन हकीकत ये है कि रायबरेली में भी राहुल गांधी हारेंगे। प्रमोद कृष्णम ने आगे कहा कि राहुल जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं, उसे देखते हुए हिंदुस्तान में तो उनकी सियासत कमजोर हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन! पंधेर, कोली के साथ UP सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली. गौतमबुद्ध नगर के निठारी गांव में घर के पिछवाड़े कई कंकाल मिलने से खुले कई हत्याकांड के अभियुक्तों मनिंदर सिंह पंधेर और सुरेंद्र कोली के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा एक्शन लिया है. मनिंदर सिंह पंधेर और सुरेंद्र कोली को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और अभियुक्तों को नोटिस देकर जवाब तलब किया है. इनको निचली अदालत ने मृत्यु दण्ड देने का फैसला किया था. लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछले साल अक्टूबर में दोनों को बरी कर दिया. जस्टिस भूषण आर गवई, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मारी गई लड़कियों में से एक के पिता पप्पू लाल की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया है.

रेलवे के अमीर चोर! 9 ट्रेनों के एसी कोच से 30 दिन में 30000 कंबल, चादर गायब

झांसी: भारतीय रेलवे के एसी कोच में सफर करने वाले अमीर यात्री भी चोरी करने से बाज नहीं आ रहे हैं. पिछले 1 महीने में एसी कोच से तौलिए, चादर, कंबल की चोरी के मामले सामने आ रहे हैं. यहां तक की यात्री तकिए का कवर भी नहीं छोड़ रहे हैं. झांसी रेलवे मंडल में ट्रेनों में चादर, कंबल, तौलिये और तकियों के कवर चोरी होने के कई मामले एक महीने में सामने आए हैं. चोरी के अधिकांश मामले झांसी से चलने वाली ट्रेनों में सामने आ रहे हैं. रेलवे के सूत्रों के अनुसार अप्रैल के महीने में 9 ट्रेनों से 26000 चादर, 1080 कंबल, 2700 तौलिये और 200 तकिये का कवर चोरी हो गए हैं.

कांगो में विस्थापितों के शिविरों में बम विस्फोट से 12 लोगों की मौत

गोमा: पूर्वी कांगो के उत्तरी किवु प्रांत में विस्थापित लोगों के दो शिविरों पर किए गए हमलों में बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों, एक सहायता समूह और संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में बताया कि उत्तरी किवु की प्रांतीय राजधानी गोमा शहर के पास लैक वर्ट और मुगुंगा में विस्थापित लोगों के दो शिविरों पर बम से हमले किए गए। संयुक्त राष्ट्र ने इन हमलों को मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया और कहा कि इन्हें युद्ध अपराध माना जा सकता है। अफ्रीकी देश कांगो की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदजीके काइको ने द एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को दिए गए बयान में इन हमलों के लिए रवांडा से कथित संबंधों वाले एम23 नामक विद्रोही समूह को जिम्मेदार ठहराया।

एक शहजादा दिल्ली में है, एक शहजादा पटना में... बिहार में इंडिया गठबंधन पर मोदी का कड़ा प्रहार

नई दिल्ली ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के दरभंगा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के नाम लिए बिना जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में जिस तरह एक शहजादे हैं, उसी तरह पटना में भी एक शहजादे हैं। दोनों के रिपोर्ट कार्ड एक ही जैसे हैं। एक शहजादा पूरे देश को तो दूसरा पूरे बिहार को अपनी जागीर समझता है। दरभंगा के राज मैदान में भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने धर्म के आधार पर आरक्षण के मामले पर कांग्रेस और राजद को घेरा। उन्होंने कहा कि लंबी चर्चा के बाद हमारा संविधान बना। बाबा साहेब आंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद जैसे बड़े-बड़े विद्वान ने धर्म के आधार पर आरक्षण पर लंबी चर्चा की। 77 साल पहले उन्होंने तय किया कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकते। देश को फिर से नहीं बांट सकते। बाबा साहेब ने इसके खिलाफ खुलेआम वकालत की। पंडित नेहरू ने भी धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था।

...मुसलमानों को कोटा देने की मांग की थी

उन्होंने कहा कि आज जब गरीब, एससी, एसटी, ओबीसी का कांग्रेस से मोह भंग हो गया है, तब कांग्रेस दलित, आदिवासी और ओबीसी कोटे को कम कर धर्म के आधार पर मुस्लिमों को आरक्षण देने में लगी हुई है। इस साजिश में राजद भी कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। प्रधानमंत्री ने आगे लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के शहजादे के पिता ने आरक्षण में से कोटा निकालकर मुस्लिमों को देने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि वे जब रेल मंत्री थे तब रेलवे में मुसलमानों को कोटा देने की मांग की थी।

जब तक मोदी जिंदा है, तब तक...

पीएम मोदी ने साफ कहा कि ये एससी, एसटी, ओबीसी का हक छीनकर मुस्लिमों को देना चाहते हैं। ये डाका डालने की फिराक में हैं। इस दौरान हालांकि उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि जब तक मोदी जिंदा है, तब तक एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राजद का इतिहास सामाजिक न्याय का मुखौटा लगाकर तुष्टिकरण करना रहा है। उन्होंने गोधरा कांड की चर्चा करते हुए कहा कि उस समय भी पटना के शहजादे के पिता ने रेल मंत्री रहते दोषियों को बचाने की कोशिश की थी। पीएम मोदी ने कोरोना काल की भी चर्चा की, और कहा कि बिहार के लोगों के साथ इंडी गठबंधन वालों ने गलत किया था।

सेक्स स्कैंडल में फंसा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री का बेटा, कर्नाटक पुलिस SIT ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ■

एचडी रेवन्ना को कर्नाटक पुलिस की एसआईटी ने हिरासत में ले लिया है. एचडी रेवन्ना को कर्नाटक पुलिस की एसआईटी ने हिरासत में ले लिया है। 300 से अधिक महिलाओं के साथ यौन शोषण करने के मामले में फंसे पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे एचडी रेवन्ना को हिरासत में ले लिया गया है। कर्नाटक पुलिस की एसआईटी ने मामले में कार्रवाई करते हुए यह कदम उठाया है। इससे पहले एचडी रेवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका को यहां की न्यायालय ने खारिज कर दिया था। कर्नाटक की जन प्रतिनिधि अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए एचडी रेवन्ना को अगली सुनवाई के लिए 6 मई की तारीख दी है।

इस पहले SIT ने रेवन्ना और प्रज्वल को लुकआउट नोटस दिया था। सीबीआई से संपर्क कर ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी कराने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि कर्नाटक के दिग्गज नेताओं में शुमार रहे एचडी रेवन्ना का बेटा सेक्स स्कैंडल के खुलासे के बाद 27 अप्रैल को प्रज्वल विदेश भाग गया था। एचडी रेवन्ना पर उनके रसोइए ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी पर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पहले ही कहा था कि उन्हें धारा 41 के तहत नोटिस दिया गया है।

जोशुआ लिटिल ने बरपाया कहर

नई दिल्ली ■

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 52वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज जब तक क्रीज पर थे, तब तक टीम आसानी से जीतती हुई दिख रही थी लेकिन दोनों के आउट होने के बाद विकेटों की झड़ी लग गई और बेंगलुरु ने 117 के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए। हालांकि बाद में दिनेश कार्तिक और स्वपनिल सिंह ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम को 14वें ओवर में जीत दिला दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए टाइटंस ने 147 रन बनाए। 148 रन के लक्ष्य को बेंगलुरु ने फाफ डुप्लेसी के 64 रनों की धुंआधार पारी की बदौलत 13.4 ओवर में हासिल कर लिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मोहम्मद सिराज के कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए 10 रन के भीतर टाइटंस के दोनों ओपनर्स को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कैमरन ग्रीन ने साई सुदर्शन को आउट कर विरोधी टीम को तीसरा झटका दे दिया। शाहरुख खान और डेविड मिलर ने मिलकर विकेटों के पतझड़ को रोका और टीम को 80 के स्कोर तक पहुंचाया। 80 के स्कोर पर ही डेविड मिलर को कर्ण शर्मा ने आउट कर साझेदारी तोड़ी और बेंगलुरु को चौथा झटका दिया।

आप के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और हरियाणा के लिए स्टार कैंपेनर की लिस्ट जारी की है. लिस्ट में अरविंद केजरीवाल और सुनीता केजरीवाल का नाम शामिल है. वहीं, मनीष सिसोदिया भी स्टार प्रचारक की लिस्ट में शामिल हैं. बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनकी पार्टी के सहयोगी और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार किया है. वहीं, लोकसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. 29 अप्रैल से शुरू हुई ये प्रक्रिया 6 मई तक चलेगी. इस दौरान पार्टी के उम्मीदवार रोड शो निकाल कर अपना नामांकन कर रहे हैं.

मोदी के आने के बाद चीजें बदल गई, विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को किया खबरदार

नई दिल्ली ■

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के सीमा पार आतंकवाद को उचित जवाब देने की कसम खाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार संभालने के बाद पड़ोसी को संभालने के लिए भारत का रुख बदल गया है। पिछली सरकारों के विपरीत, देश बदल गया है। विदेश मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने उरी और बालाकोट जैसी कार्रवाइयां कीं। उन्होंने आतंकवाद पर नरमी न बरतने की बात कही।

एस जयशंकर ने कहा जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, सीमा पार आतंकवाद का इतिहास रहा है, लेकिन आप यह भी जानते हैं कि जब तक मोदी सरकार नहीं आई, हम इसे बर्दाश्त कर रहे थे। हम दूसरा गाल आगे कर रहे थे। हम कार्रवाई नहीं कर रहे थे। मोदी के आने के बाद , चीजें बदल गई हैं। उन्होंने कहा, आपने उरी, बालाकोट देखा। इसलिए हमने आज यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद, सीमा पार आतंकवाद के किसी भी खतरे को भारत से उचित प्रतिक्रिया मिलेगी। विदेश मंत्री जयशंकर ने मध्य पूर्व में चल रहे इजराइल-ईरान तनाव पर कहा कि खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले 90 लाख नागरिकों की रक्षा करना और स्थिति को कम करने के लिए सैन्य और राजनयिक दोनों मोर्चों पर काम करना भारत की जिम्मेदारी है। विदेश मंत्री ने कहा, पूरे खाड़ी क्षेत्र और पश्चिमी एशिया के कुछ हिस्सों में युद्ध की स्थिति और तनाव व्याप्त है... लगभग 90 लाख भारतीय नागरिक खाड़ी क्षेत्र में रहते हैं। उनकी देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है... खाड़ी देशों के शासक पीएम नरेंद्र को महत्व देते हैं।

व्यंग्य : पति शराब घोटाले से : पत्नी फेक फोटो से चर्चा में... ?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

शीर्षक में पति - पत्नी पर सवाल है कि आखिर ये हैं कौन तो देश की जनता को मालूम ही है कि शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल चर्चा में हैं, जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध बोलकर सत्ता में आ गए.अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता द्वारा गुजरात में किए रोड शो में भारी भीड़ का फेक फोटो पोस्ट हुआ और वे खबरों की सुर्खियों में है..?

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा अंतरिम जमानत दे भी सकते, नहीं भी..?- अरविन्द केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर सिर्फ विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट 7 मई को सुनवाई करेगा. कोर्ट ने साफ कहा है कि अंतरिम जमानत दे ही देंगे यह सुनिश्चित नहीं है, नहीं भी दे सकते हैं, लेकिन बहस तो कर ही सकते हैं और इसलिए दोनों पक्ष को अपनी अपनी दलीलों के साथ तैयारी के साथ आने को कहा है.खैर पति अरविन्द केजरीवाल चुनाव के बहाने बाहर आने के लिए बैचेन हैं और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल उनसे कई कदम आगे हैं और गुजरात के रोड शो में चीन में उमड़ी भीड़ का फेक फोटो पोस्ट जारी कर चर्चा में हैं..?

केजरीवाल दम्पति ने क्या जनता को गुमराह नहीं किया...?

सवाल इसलिए है, क्योंकि जो अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार खत्म करने के बड़े वादे के साथ जनता के बीच गए थे, उन्हीं को दिल्ली में शराब घोटाले का सरगना ईडी ने क्यों बताया, क्यों उनके अन्य सहयोगी मंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन आदि भी जेल गए, क्यों निचली कोर्ट, हाई कोर्ट से केजरीवाल को राहत नहीं मिली है और अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है. वैसे जनता ही अपने विवेक से समझ सकती है कि व्यक्ति जन हित के लिए नहीं अपितु निज हित के लिए राजनीति कर रहा है. अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने गुजरात में रोड शो किया. ए बी पी लाइव में फैक्ट चेक खबर से पता चला कि भारी भीड़ का फोटो गलत है. इतनी भीड़ तो किसी प्रधानमंत्री के शो में भी कभी शायद दिखी हो. इंडिया टुडे की ओर से इस पोस्ट को लेकर फैक्ट चेक किया गया, जिससे पता चला कि सोशल मीडिया पर@18किशनन नाम आई डी से एक्स पर यह फोटो 2 मई को शेयर किया गया था.यूजर ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा अरविन्द केजरीवाल की साजिशन गिरफ्तारी के खिलाफ सड़कों पर उतरी गुजरात की जनता, रोड शो में उमड़ा जन सैलाब, जनता ने मन बना लिया है, इस बार जेल का जवाब वोट से. जबकि वास्तव में यह भीड़ चीन के गुआंगजौ प्रान्त में ओलम्पिक टार्च के स्वागत की बताई जाती है और एक तस्वीर चीन के दूसरे प्रान्त सिचूआन में आए भूकंप के दौरान संवेदना के लिए जुटे लोगों की थी.खैर स्पष्ट हो गया कि पोस्ट किया गया फोटो चीन का है. बताया गया कि यह तस्वीर स्टिव जुवेर्टसन ने ली थी.जनता खुद सोचे कि इस तरह गुमराह करना क्या धोखा नहीं है, भले ही ऐसी पोस्ट पार्टी से जुड़ा कोई भी हितैषी करे ..?

मत पर्व के महायज्ञ में प्रथम आहुति

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान दल में नियुक्त अधिकारी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। यह अनुष्ठान उन वृद्ध मतदाताओं के लिए आज प्रारंभ हुआ जिन्होंने अपने जीवन के युवा काल से ही मतदान कर लोकतंत्र का पल्लवन और संरक्षण किया है इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए ऐसे बुजुर्ग मतदाताओं के लिए आज उनके घर पर मतदान दल पहुँच कर उनका मतादेश प्राप्त करेगा।

न्यूज ब्रीफ

आबकारी अमले की अवैध शराब परिवहन के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही, अवैध शराब जप्त

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में लोकसभा चुनाव को देखते हुए शराब के अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भण्डारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के निर्देशन में आबकारी विभाग के अमले द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में लोडिंग वाहन पिकअप में अनोखे तरीके से खली की बोरियों से कवर कर परिवहन की जा रही 40 पेटी विदेशी शराब जप्त की गई। जप्त सामग्री की कीमत 11 लाख 35 हजार रुपए है। अन्य कार्यवाहियों में कुल 36 प्रकरण पंजीबद्ध कर 369 लीटर मदिरा और 2770 किलोग्राम महुआ लहान भी जप्त किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी श्री मनीष खरे ने बताया कि गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर राऊ चौराहा पर नाकाबंदी कर बोलेरो पिकअप क्रमांक टल्-30-अइ-3169 को रुकवाया तो ड्राइवर गाड़ी से उतरकर भाग निकला। काफी दूर तक पीछा करने और कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया। तत्पश्चात वाहन की तलाशी कराई तो खली की बोरियों के पीछे छिपाकर रखी गई 40 पेटी अवैध शराब बरामद की गई,जिसकी कुल मात्रा 352.8 बल्क लीटर और अनुमानित कीमत 3 लाख 35 हजार 200 रुपए है। इसके साथ तस्करी में उपयोग किए जा रहे 8 लाख कीमत के पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान वाहन से आरोपी नरेंद्र कुमार पिता विष्णु देवड़ा निवासी द्वारका पुरी के पास प्रजापत नगर इंदौर को गिरफ्तार कर अवैध मदिरा का संग्रहण एवं कब्जा होने से आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है ।

नाबालिग के साथ दुष्कृत्य करने वाले मामा को हुआ तिहरा आजीवन कारावास

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। अपर सत्र न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कृत्य करने वाले युवक को तिहरे आजीवन कारावास से दंडित किया है। 2021 में दर्ज प्रकरण पर निर्णय सुनाते हुए अपर सत्र न्यायालय व विशेष न्यायालय पोक्सो एक्ट ने आरोपित राहुल मुजाल्दे (22) को दोषी माना। आरोपित को पॉक्सो एक्ट की धारा 5 एल/6, 5 एम/6, 5 एन/6 तीनों में दोषी मानते हुए पृथक - पृथक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ में धारा 506 व भादंवि में एक वर्ष के सश्रम कारावास से भी दंडित किया है। आरोपित पर कुल 6500 रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया है। शासन को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित बालिका को दो लाख रुपये की राशि प्रतिकर के तहत दिलाई जाए। आरोपित बालिका ने अप्रैल 2021 में भंवरकुआं थाने में शिकायत की थी कि रिश्ते में उसका मामा लगने वाला आरोपित उसके घर आता-जाता रहता है। सब्जी मंडी में हम्माली करने वाला आरोपित दस वर्ष की तभी से उसे धमका कर उसके साथ दुष्कृत्य कर रहा था। लगातार तीन वर्षों तक उसके साथ दुष्कृत्य करता रहा व जान से मारने की धमकी देता रहा। डर के मारे नाबालिग बार-बार अपने घर से भाग जाती थी। उसके घर से भागने से परेशान होकर उसकी मां ने उसे बाल आश्रम में रखवा दिया। बाल आश्रम की मैडम ने उसकी काउंसलिंग की तो उसने पूरी घटना बताई। बाद में बालिका की रिपोर्ट पर आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई।

एडमिशन के लिए 25 जून के बाद होगे रजिस्ट्रेशन, नहीं बढ़ेंगी सीटें, 60 पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पारंपरिक व तकनीकी पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर काउंसलिंग का पहला चरण 25 जून से शुरू किया जाएगा। पसंदीदा पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पंजीयन के लिए दस दिनों का समय मिलेगा। मगर उसे पहले प्रवेश समिति पाठ्यक्रमों की फीस वृद्धि पर फैसला लेना है। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन ने जून पहले सप्ताह में रखी जाएगी। लोकसभा चुनाव से जुड़े निर्वाचन कार्यों के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी लगाई है। इसके चलते विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। पहले हर साल जून पहले सप्ताह में नॉन सीयूईटी पाठ्यक्रम की काउंसलिंग शुरू होती थी, लेकिन 2024-25 सत्र के लिए प्रक्रिया 25 जून बाद रखी गई है। नॉन सीयूईटी के माध्यम से 60 पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। करीब 2300 सीटों के लिए विद्यार्थी आवेदन करना होगा। यह प्रक्रिया जून-जुलाई के बीच करवाई जाएगी। वहीं 25 जून बाद रजिस्ट्रेशन करवाए जाएंगे। कुलपति डा. रेणु जैन ने कहा कि अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा जून में खत्म होगी। पंद्रह दिनों में रिजल्ट निकाले जाएंगे। उसके बाद नॉन सीयूईटी पाठ्यक्रम की काउंसलिंग शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि जून-जुलाई में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

हज कमेटी द्वारा महक वाटिका पर हज तरबियत कैम्प 6 मई को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। हर साल दुनियाभर के लाखों मुस्लिम सऊदी अरब के मक्का में हज के लिए पहुंचते हैं। भारी भीड़ में हजयात्रियों को किसी तरह की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, उसको लेकर हज तरबियत कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। राज्य हज कमेटी और इंदौर जिला हज कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में रोबोट चौराहा एमआर 9 रोड स्थित महक वाटिका पर 6 मई सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल हज तरबियत कैम्प लगेगा। इंदौर जिला हज कमेटी के अध्यक्ष राशिद शेख ने बताया राज्य हज कमेटी के चेयरमैन रफत वारसी के निर्देश पर हज तरबियत कैम्प लगाया जा रहा है। ताकि हजयात्रा में किसी भी जायरीन को कठिनाई का सामना न करना पड़े और सहूलियत के साथ हज अदा कर सकें इसी मकसद से तरबियत कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जिसमें एक्सपर्ट हज ट्रेनर अशफाक लोदी साबरी और शाकिर इकबाल सिद्दीकी प्रोजेक्टर के माध्यम से हज तरबियत देंगे। वे हाजियों को हज के अरकान व दुआएं सिखाएंगे। शहर में इस सत्र का प्रमुख हज तरबियत कैम्प लगेगा। जिसमें हज की तमाम बारीकियों से रूबरू करवाया जाएगा।

सीपीआई और एसपीआई ने इंदौर में एसयूसीआई प्रत्याशी को दिया समर्थन

इंदौर के मतदाता सांप्रदायिक राजनीति और झूठी गारंटी देने वालों को करारा सबक सिखाएं

नोटा को वोट देने की अपील नपुंसक राजनीति होकर लोकतंत्र का अपमान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर कांग्रेस उम्मीदवार के लोकसभा चुनाव में मैदान से भागने पर सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इंदौर में चुनाव लड रहे वामपंथी उम्मीदवार एसयूसीआई के अजीत पवार का समर्थन करने का निर्णय लिया है । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने भोपाल में जारी बयान में कहा कि भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी इंदौर में सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर उम्मीदवार अजीत पवार का समर्थन करेगी । भले ही हमारा एस यू सी आइ से राजनैतिक संबंध नहीं है और वह न तो इंडिया गठबंधन का सदस्य है पर एक छोटी सी पार्टी के उम्मीदवार ने जिस बहादुरी के साथ सूरत कांड को दोहराने के लिए की गई गुंडागर्दी और फासीवादी हथकंडे का मुकाबला किया और लोकतंत्र का चीरहरण नहीं होने दिया उस साहस के लिए उसका समर्थन एक नैतिक जिम्मेदारी है।

श्रीवास्तव ने कहाकि बावजूद इसके कि वे स्वयं कौ देश की इकलौती कम्युनिस्ट पार्टी मानते हैं। लेकिन हम उन्हें वामपंथी पार्टी मानते हैं और कम से कम फासीवाद?? विरोधी और सम्प्रदाय विरोधी तो है ही। कांग्रेस पार्टी और उसके अध्यक्ष अपने ही गृह शहर में बेबस हैं जिले में अपने उम्मीदवार को सम्हाल नहीं पाये और अब जानकारी मिली है कि वे नोटा में वोट डालने का अभियान चलायेंगे। कांग्रेस कभी भी अहंकार से ऊपर नहीं उठ पाती है।नोटा के मतों का कोई मतलब नहीं होता इसलिए बहुत कम लोग ही कांग्रेस के कहने से नोटा में वोट डालने घर से निकलेंगे और भाजपा पहले से भी अधिक बहुमत से चुनाव जीतेगी ?और दावा करेगी एक तरफा जन समर्थन का। एस यू सी आइ के उम्मीदवार को कितने वोट मिलेंगे यह महत्वपूर्ण नहीं है और न यह समय बारीक सैद्धांतिक बहस का नही है वरना इंडिया गठबंधन बन ही नहीं पाता बल्कि समय है फासीवाद सम्प्रदायवाद के खिलाफ उठती हर आवाज के साथ आवाज मिलाने का। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी यही कर रही है। इसी तरह का बयान जारी करते हुए सोशलिस्ट पार्टी इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप मंत्री ने कहा कि नोटा को वोट देने की अपील करना नपुंसक राजनीति है और सांप्रदायिकता के खिलाफ नकली लड़ाई भी । कांग्रेस पूरे देश में अपने-अपने हिसाब से राजनीतिक निर्णय लेती है खजुराहो में जहां वह एक अन्य पार्टी जिसका इंडिया गठबंधन से कोई संबंध नहीं है ,उसका समर्थन कर रही है ,वहीं इंदौर में नोटा की अपील कर रही है । कांग्रेस चाहती है की तीसरी ताकत का कोई दल ताकत बनकर नहीं उभरे, इसीलिए इंदौर में नोटा का समर्थन कर रही है । यह केवल इंदौर के मतदाताओं को भटकाने की अपील है । सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी हमेशा निर्णायक और संघर्ष की राजनीति करती रही है और उसी के चलते दोनों दलों के नेताओं ने इंदौर का ससंद में प्रतिनिधित्व भी किया है। दोनों दलों के नेताओं ने इंदौर की शानदार जनता से अपील की है कि लंबे अरसे बाद इंदौर के मतदाताओं को मौका मिला है कि वह फिर से तीसरा विकल्प चुने क्योंकि जब तक इंदौर में वामपंथी समाजवादी मजबूत रहे है तब तक किसानों और मजदूरों पर कभी अत्याचार नहीं हुए और ना उनके रोजगार पर खतरा मडराया। इसलिए जरूरी है कि इस बार मैदान से भागने वाली कांग्रेस और 2014 से देश की जनता को झूठी गारंटी दे रही सांप्रदायिक भारतीय जनतापार्टी को करारी चोट दी जाए। इसलिए लड़ाकू युवा उम्मीदवार अजीत पवार को वोट देकर इंदौर की जनता एक इतिहास रचे ।

इंदौर में वोट फ्रॉम होम शनिवार से शुरू, तीन हजार घरों में पहुंचेगी पोलिंग पार्टियां

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के उम्रदराज मतदाता और दिव्यांग वोटरों को निर्वाचन आयोग से अपने घर से पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डालने की सुविधा दी है। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में इस श्रेणी में 25 हजार से ज्यादा वोटर है, लेकिन वर्क फ्रॉम होम के लिए 3,126 लोगों ने ही सहमति दी। इनमें 2630 वरिष्ठ नागरिक और 496 दिव्यांगजन है। ज्यादातर उम्रदराज वोटरों ने भी मतदान केंद्र तक जाकर वोट करने की इच्छा जताई है।

वोट फ्रॉम होम इंदौर में तीन दिनों तक चलेगा। अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में पोलिंग पार्टियां जाकर पोस्टर बैलेट से वोट डलवाएगी। विधानसभा चुनाव में भी कई वरिष्ठजनों ने वोट डाले थे।

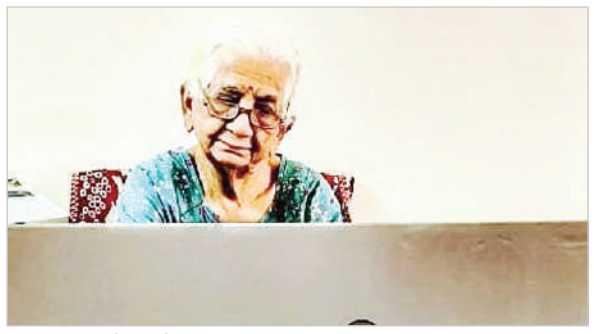

वरिष्ठजनों को मतदान केंद्रों पर कतार में नहीं लगना होगा

संभागायुक्त दीपक सिंह ने बताया कि इंदौर संभाग में 85 साल से ज्यादा उम्र के कई वोटरों ने मतदान केंद्रों पर जाकर वोटिंग करने की इच्छा जताई है। इनमें कई दिव्यांगजन भी शामिल है। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पीठासीन अधिकारियों को कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को कतार में न खड़े रहने दे। उनसे प्राथमिकता से मतदान कराए। संभागायुक्त ने कहा कि झाबुआ, आलीराजपुर, जोबट जैसे जिलों में कई मतदाता दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए जाते है। दूसरे राज्यों के उन उद्योगों को भी हमने मतदान के लिए अवकाश देने के लिए कहा है, ताकि मतदाता अपने गृह क्षेत्रों में आकर वोट डाल सके। आईजी अनुराग ने बताया कि पूरे संभाग में सात हजार से ज्यादा मतदान केंद्र है। उनमें छह प्रतिशत संवेदनशील केंद्र है। वहां पर सीआरपीएफ के जवान तैनात रहेंगे। पूरे संभाग में चुनाव के लिए 17 हजार पुलिस जवान तैनात रहेंगे। इसी प्रकार 85 वर्ष से अधिक आयु की न्यू पलासिया निवासी माया श्याम डसानी, आर के पुरम निवासी 90 साल से अधिक आयु के अमृत सागर तथा 88 वर्ष की मनी माल गुप्ता और अनूप नगर में रहने वाली 87 वर्षीय वृद्धा श्रीमती सरस्वती बम ने भी मतदान कर लोकतंत्र के महायज्ञ में अपनी भूमिका का निर्वहन कर एक मिसाल कायम की। जिले में कुल 3 हजार 126 दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं ने घर बैठे मतदान करने की सहमति प्रदान की है।

बालगृह में दिव्यांग युवक की पिटाई, शरीर पर आई चोटें

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में परदेशीपुरा स्थित सामाजिक न्याय व दिव्यांगजन विभाग द्वारा संचालित बालगृह में मानसिक रुप से अस्वस्थ युवक पिटाई का शिकार हुआ है। इस कारण उसके हाथ और पीठ पर चोट के निशान भी आए है। स्टॉफ का कहना है कि युवक मानसिक रुप से बीमार है और एक महिला कर्मचारी के साथ गलत हरकत करने की कोशिश कर रहा था। इस कारण उसे सजा दी गई। शरीर पर आए चोट के निशान को लेकर गृह अधीक्षक का कहना है कि कई बार दिव्यांगजन खुद को भी चोट पहुंचाते है।

बालगृह में युवक के साथ यह घटना शनिवार को हुई। वह बालगृह में ही रहता है। युवक के दाए हाथ की उंगली में चोट लगी। गृह में ही उसे पट्टी बांध दी गई। इसके अलावा बाएं हाथ और पीठ पर भी निशान है।

बताया जा रहा है कि उसे डंडे से पीटा गया। बालगृह में पांच से ज्यादा कर्मचारी है। इनमें दो महिला कर्मचारी भी काम करती है। गृह अधीक्षक नीता कुचेरिया ने बताया कि युवक काफी जिद्दी स्वभाव का है और मानसिक तौर पर अस्वस्थ है। वह बालिग है और कई दिनों से बालगृह में रह रहा है। उसने एक महिला कर्मचारी के साथ बदसलूकी की थी। उसे कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं माना। भविष्य में इस तरह की हरकत वह न करे, इसलिए उसे डराया गया। अधीक्षक के अनुसार वरिष्ठ अफसरों को भी इससे अवगत कराया गया।

कथा स्थल पर हुई धक्का - मुक्की, महिला के गले से चोरी हुआ सोने का हार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कनकेश्वरी मैदान में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने गई महिला के गले से सोने का हार चोरी हो गया।महिलाओं ने ही चोरी की है।भीड़ का फायदा उठाकर धक्का मुक्की की और हाथ की सफाई दिखा दी।हीरानगर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज है।

कथा स्थल पर चौथी घटना हुई है। फरियादी लता जीवनसिंह मौर्य निवासी भाग्यश्री कॉलोनी के मुताबिक घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। कथा सुनने के लिए कनकेश्वरी मैदान पर आई थी। चोरी करने वाली महिलाओं ने घेरा बना लिया। धक्का मुक्की की और गले से हार चुरा लिया। महिलाओं के जाने पर शक हुआ तो हार गायब मिला। लसूड़िया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को लूट हो गई। बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक युवक को लूट लिया। दोस्त इंतजार कर रहे युवक को चाकू दिखाया और तीन मोबाइल,कैश,अंगूठी,घड़ी लूट कर फरार हो गए।पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपितों के सीसीटीवी फुटेज निकाले जा रहे है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक घटना बाईपास स्थित मिडास कैफे के पास(सर्विस लेन) की है। विस्तारा एमरल्ड टाउनशिप में रहने वाले विकास प्रमोद झा दोस्त मीतल गुप्ता का इंतजार कर रहे थे।तभी बाइक पर तीन बदमाश आए।दो बदमाश समीप आए और चाकू अड़ा दिया। आरोपितों ने जान से खत्म करने की धमकी दी और तीन मोबाइल फोन, 8 हजार रुपए कैश, स्मार्ट वाच, सोने की अंगूठी लूट कर फरार हो गए।

मोरो को Dehydration से बचाने के लिए वन विभाग के पास बजट नहीं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

गर्मी का आधा मौसम बीतने के बाद वन विभाग को राष्ट्रीय पक्षी मोर की चिंता हुई है। इन दिनों तापमान 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। ऐसे में पशु-पक्षियों में पानी और नमक की कमी होने लगती है। मगर मोरो को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए वन विभाग के पास पैसा नहीं है। यही वजह है कि इस साल मुख्यालय से इंदौर वनमंडल को अभी तक बजट नहीं आवंटित हुआ है।

अप्रैल बीतने के बावजूद पर्यावरण शाखा ने भी मोरो के दाना-पानी की व्यवस्था नहीं की है, लेकिन अब इंदौर वनमंडल के डीएफओ ने अन्य मद से राशि खर्च करने का फैसला लिया है। इस संबंध में मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन भी लिया है। इस दौरान

प्रत्येक रेंज को मोरों संरक्षण के लिए क्लस्टर को चिन्हित करने पर जोर दिया है। 2020 में विभाग ने उन क्षेत्रों को क्लस्टर में शामिल किया है, जहां मोरों की संख्या पांच से अधिक है। एक क्लस्टर में चार गांव रखे है। इंदौर, महू, मानपुर और चोरल के लगभग 80 गांव क्लस्टर से जोड़े है। अधिकारियों के मुताबिक इंदौर जिले में 10 हजार से अधिक मोर हैं। इनके संरक्षण की जिम्मेदारी ग्रामीण और वन समितियों की मदद लेंगे। वनकर्मियों को निगरानी के निर्देश दिए है।

वन समिति से लेंगे मदद

मोरों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी पर्यावरण शाखा के पास रहती है। बजट आवंटित नहीं हुआ है। अन्य मद से राशि की व्यवस्था कर मोरों के लिए दाना-पानी उपलब्ध करवाएंगे। वैसे प्रत्येक रेंज की वन समिति से भी मदद लेंगे। **- महेंद्र सिंह सोलंकी, डीएफओ, इंदौर वनमंडल**

यहां नजर आते है मोर

शहर में मालवा मिल, कैट परिसर, मेघदूत गार्डन, रेसीडेंसी, सुदामा नगर और पंचकुइया क्लस्टर बनाए गए हैं। एयरपोर्ट के आसपास और रेसीडेंसी एरिया को वन विभाग ने दो क्लस्टरों में बांटा है।

मूवी रेटिंग का टास्क देकर 53 लाख रुपये की ठगी, दो आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

इंदौर। राज्य साइबर सेल ने ऐसे ठग को पकड़ा है जो टेलिग्राम टास्किंग गिरोह के साथ मिलकर देशभर में ठगी कर रहे थे। आरोपितों ने साफ्टवेयर इंजीनियर से भी मूवी रेटिंग का टास्क देकर 53 लाख रुपये ठगे थे। एक आरोपी रिटायर तहसीलदार का बेटा है और दूसरा उसका साथी है। इस गिरोह के तार विदेशों से जुड़े हैं। एसपी (साइबर) जितेंद्र सिंह के मुताबिक 3 फरवरी को इंजीनियर द्वारा शिकायत दर्ज करवाई थी। उसने बताया कि टेलिग्राम पर लिंक भेजी गई थी। आरोपियों ने मूवी रेटिंग का टास्क देकर रुपये कमाने का प्रलोभन दिया। बाद में आरोपियों ने इंजीनियर को झांसे में लेकर 53 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने बैंक खातों की जांच की तो पता चला फर्जी करंट खातों में रुपये जमा हुए हैं। जिस वेबसाइट से संपर्क हुआ उसका डोमेन विदेश में है।

जीवन को बनाना हो अनावश्यक बोझ से मुक्त तो करें यह...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, मेरी नज़र में लोगों के चेहरों पर नज़र आने वाले विभिन्न भाव, जैसे, निराश और हताश होना या बोझिल भाव के साथ जीना, शारीरिक तौर पर स्वस्थ होने के बाद भी हर पल थके हुए नज़र आना या थकान महसूस करना अथवा हर पल आनन्द के साथ जीना, जीवन के प्रति आपके नज़रिए को दर्शाता है। इसका सीधा-सीधा अर्थ हुआ अगर आप जीवन के प्रति अपना नज़रिया ठीक कर लें तो खुश और मस्त रहते हुए आनंदपूर्वक ज़िंदगी जी सकते हैं। अपनी बात को मैं आपको एक कहानी से समझाने का प्रयास करता हूँ।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

बात कई साल पुरानी है तीन हमउम्र स्वस्थ और एक ही क़द-काठी के युवा धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। शाम होते-होते जब वे एक मंदिर में विश्राम करने रुके, उस वक़्त एक युवा बोला, 'देखो, हम सुबह से पैदल चल रहे हैं और अभी तक आधा रास्ता भी पूरा नहीं कर पाए हैं। इसीलिए मैं तुमसे पहले ही कह रहा था कि पैदल यात्रा पर जाने के बारे में सोचना ही ग़लत है। लेकिन मेरी सुनता कौन है?' उस युवा की बात सुनते ही दूसरा युवा जो बहुत थका हुआ नज़र आ रहा था, मुस्कुराते हुए बोला, 'अरे यार क्यों चिंता करता है? आधा तो पहुँच ही गए हैं। कल आधा और चल लेंगे।' दोनों युवाओं की बात सुनने के बाद तीसरा युवा बोला, 'दूरी, कठिनाई, परेशानियों को छोड़ो और यात्रा के मज़े लो। दूसरी बार यह दिन; यह मौक़ा नहीं मिलने वाला है।'इन तीनों युवाओं की बात सुन मंदिर में मौजूद एक साधु-महात्मा मुस्कुराने लगे। जिन्हें देख तीनों युवाओं ने उनसे पूछा, 'महात्मा जी आप मुस्कुरा क्यों रहे हैं?' महात्मा जी उसी मुस्कुराहट के साथ बोले, 'वह छोड़ो, तुम तो यह बताओ अगर तुम इस यात्रा को एक लट्ठ के दो छोरों पर बंधे, दो झोलों के साथ कर रहे होते, जिनमें से एक मैं सारी अच्छाई और दूसरे में सारी बुराई होती, तो तुम कौन सा झोला आगे रख यात्रा करते?'महात्मा की बात सुनते ही पहला युवा जो इस यात्रा से नाखुश था बोला, 'महात्मा जी, मैं बुराई वाले झोले को आगे और अच्छाई वाले झोले को पीछे रखूँगा। जिससे मेरी नज़र हमेशा बुराई पर रहे और मैं उससे बच सकूँ।' पहले युवा की बात पूरी होते ही दूसरा युवा, जो थका होने के बाद भी अच्छी यात्रा के लिए आशान्वित था बोला, 'महात्मा जी में अच्छाई वाले झोले को आगे और बुराई वाले झोले को पीछे रखूँगा। जिससे हर पल अच्छाई मेरी आँखों के सामने रहे और मैं उसे देख कर अच्छा बन सकूँ।' तीसरा युवा अपनी चिर-परिचित, आनंददायक मुस्कुराहट के साथ बोला, 'महात्मा जी, मैं अच्छाई आगे रखूँगा। जिससे मैं उसे देख कर हर पल संतुष्ट रह सकूँ और साथ ही बुराई पीछे रख कर उस झोले में एक छेद कर दूँगा, जिससे समय के साथ बुराई के झोले का बोझ कम होता जाए।' तीनों युवाओं की बात सुनते ही साधु-महात्मा जी एकदम गंभीर स्वर में बोले, 'वत्स, तुममें से जो अभी तक के सफ़र से थक कर निराश हुआ था, उसी ने यह भी कहा था कि, वह बुराई वाले झोले को आगे रखेगा। असल में वो इस यात्रा के समान अपनी जीवन यात्रा से भी थक गया हैं। इसकी मुख्य वजह नकारात्मक सोच है। यह जीवन मेरी नज़र में सिर्फ़ उसके लिए ही कठिन है। दूसरा जो थका हुआ तो लग रहा है, पर वो निराश नहीं है, उसने अच्छाई को सामने रखने का और बुराई से बेहतर बनने का कहा था। वह हर स्थिति में बेहतर बनने की कोशिश में थक जाता हैं क्यूंकि वो बेवजह की होड़ में हैं। तीसरा जिसने कहा था कि वो अच्छाई को आगे रखेगा और बुराई को पीछे रख, उस झोले में छेद करेगा। वह असल में कमियों; बुराइयों को भुला देना चाहता है, वह अपने जीवन से संतुष्ट है। इसीलिए वो अपने जीवन का आनंद ले पा रहा है। बात तो दोस्तों, महात्मा जी की एकदम सही थी। जीवन में जब तक व्यक्ति नकारात्मक नज़रिए के चलते, दूसरों में बुराइयों को खोजेगा, तब तक वो खुश नहीं रह पाएगा। इसके विपरीत सकारात्मक नज़रिया या सकारात्मक सोच, जीवन को खुशहाल बना सकती है। इसीलिए हमारे यहाँ नकारात्मक भावों जैसे क्रोध को बोझ बताया है और सकारात्मक भावों जैसे क्षमा को सबसे सुन्दर और सरल रास्ता, जो जीवन को अनावश्यक बोझ से मुक्त बनाता है।

उच्च न्यायालय इंदौर में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक श्री रवि मलिमठ के निदेर्शानुसार मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं अध्यक्ष श्री सुश्रुत अरविन्द धर्माधिकारी के मागदर्शन में शनिवार को उच्च न्यायालय परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारम्भ प्रशासनिक न्यायाधिपति द्वारा किया गया।

प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री सुश्रुत अरविन्द धर्माधिकारी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से बीमारियों का खतरा कम होता है। रक्तदान के द्वारा हम किसी का जीवन बचाते हैं, साथ ही इससे आत्म संतुष्टि मिलती है। अध्यक्ष उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ इन्दौर श्री रितेश ईनानी द्वारा शिविर में उपस्थित अभिभाषकगण एवं छात्रों को रक्तदान किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ट्रांसफ?यूजन मेडिसिन, स्टेट ऑफ आर्ट मॉडल ब्लड सेंटर, एम. व्हाय. हॉस्पिटल एवं एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज इन्दौर, म०प्र० थेलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी ब्लड सेंटर इन्दौर एवं इंडेक्स सुपर हॉस्पिटल इन्दौर द्वारा रक्तदान शिविर में रक्त एकत्रित करने में सहयोग प्रदान किया गया। अध्यक्ष एवं सचिव, उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ की अपील पर अभिभाषकगण ने उक्त शिविर में अपना सहयोग प्रदान किया गया। साथ ही उच्च न्यायालय के कर्मचारीगण, अधिकारीगण तथा चमेली देवी कॉलेज के छात्रों द्वारा कार्यक्रम में स्वैच्छिक सेवाएँ प्रदान करते हुए कुल 41 यूनिट रक्त दान किया गया।

तीन जून से फिर पांचवी-आठवीं बोर्ड परीक्षा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। पिछले माह पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम जारी हुए थे। जिसमें जिले में पांचवी में 4 हजार 100 और आठवीं में 3 तीन हजार 227 परीक्षार्थी एक या इससे अधिक विषय में फेल हो गए है। अब इन परीक्षार्थियों के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा दोबारा परीक्षाएं आयोजित की जा रही है, जिसमें वे परीक्षार्थी भी शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने परीक्षा फार्म तो भरा था, लेकिन परीक्षा में एक भी पेपर नहीं दे पाए थे। बोर्ड की यह परीक्षाएं तीन जून से शुरू होगी और आठ जून तक संचालित की जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा मार्च माह में आयोजित की गई थी।

छह फर्म ने 107 करोड़ के फर्जी बिल लगाए 80 करोड़ के बिलों का भुगतान भी हुआ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम का ड्रेनेज घोटाला रोज नए राज उगल रहा है। नगर निगम की विभागीय जांच पूरी हो चुकी है, जिसमें खुलासा हुआ है कि दस साल में आरोपी पांच ठेकादारों और अफसरों ने 188 से ज्यादा फाइलों में फर्जीवाड़ा किया। 107 करोड़ के फर्जी बिल निगम के लेखा विभाग में लगाए जा चुके थे। आंख मूंदे बैठे लेखा विभाग ने 81 करोड़ का भुगतान भी कर दिया।

इतने बड़े घोटाले को अफसर और ठेकेदार अंजाम देते रहे और नगर निगम के जिम्मेदार अफसर भुगतान के पहले और बाद में कामों की जांच तक नहीं करते थे। ठेकेदार ज्यादातर बिल फरवरी-मार्च में लगाते थे, ताकि वित्तीय वर्ष के पहले भुगतान हो जाए। तब कामों की जांच की संभावना और भी कम हो जाती है। नगर निगम की

जांच में ठेकेदारों के दस सालों के कामों के आधार पर घोटाला किया।

न कामों के टेंडर निकले, न काम हुए, बस भुगतान होता रहा

आरोपियों ने फर्जी फाइलें बनाकर जमकर नगर निगम का खजाना लूटा, जिन फाइलों को जांच में लिया, उनमें से अधिकांश में जिन कामों की एवज में ठेकेदारों ने नगर निगम से पैसा लिया। उन कामों के टेंडर ही कभी नहीं हुए और न ही मौके पर काम हुए। बस नगर निगम के खजाने से पैसा जारी होता रहा।

जमीनों और प्लॉटों में करते थे निवेश

पुलिस अफसर जांच में पता लगा रहे हैं कि घोटाले का पैसा आरोपी कहां लगाते थे। घोटाले का मुख्य कर्ता धर्ता नगर निगम का इंजीनियर अभय राठौर था। लेखा विभाग के कर्मचारियों के साथ वह फर्जी बिल लगाता था और घोटाले का 50 प्रतिशत हिस्सा खुद रखता था और बाकी ठेकेदार व मदद करने वाले अन्य अफसरों में बंटता था। नगर निगम से ठेकेदारों के खाते में पैसा जाते ही नकद राशि के रूप में निकाल लिया जाता था। जांच में काफी कम ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का पता चला है। पुलिस को पता चला कि आरोपी घोटाले का पैसा प्लॉट और कृषि भूमि खरीदने में लगाते थे। नगर निगम उनकी संपत्तियों की जानकारी भी जुटा रहा है, ताकि घोटाले की राशि आरोपियों से वसूली जा सके।

28 करोड़ के फर्जी बिलों से मिला घोटाले का सुराग

बिलों के भुगतान की मंजूरी के लिए आई 28 करोड़ की फाइलों को लेकर लेखा विभाग के अफसरों को शंका हुई थी। इसके बाद तत्कालीन निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने उनकी जांच के आदेश दिए थे। लेकिन उनके तबादले के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। जब नगर निगम के अधीक्षक यंत्री सुनील गुप्ता की कार से घोटाले की फाइल चोरी हुई तो उन्होंने थाने में शिकायत की। प्रारंभिक रूप से शुरूआती तौर पर 28 करोड़ के घोटाले की शिकायत एमजी रोड थाने में हुई थी। लेकिन जब जांच कर रहे अफसर इसकी गहराई में घुसे तो घोटाले की राशि 107 करोड़ रुपये तक जा पहुंची। पुलिस ने ड्रेनेज घोटाले में नींव कंस्ट्रक्शन के मोहम्मद साजिद, ग्रीन कंस्ट्रक्शन के मोहम्मद सिद्दीकी, किंग कंस्ट्रक्शन के मोहम्मद जाकिर, क्षितिज इंटरप्राइजेस की रेणु वडेरा और जान्हवी इंटरप्राइजेस के राहुल वडेरा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इसके अलावा नगर निगम के सहायक यंत्री अभय राठौर को भी आरोपी बनाया। वह फिलहाल फरार है। इंजीनियर उदय भदौरिया, आपरेटर चेतन भदौरिया और लिपिक राजकुमार सालवी को भी पुलिस ने आरोपी बनाया। सालवी ने भी खुद की दो फर्म बनाकर चार करोड़ रुपये का भुगतान करा लिया था।

तप रहा प्रदेश, छह मई के बाद बादल आने की संभावना

इंदौर। मध्यप्रदेश में सूरज के तेवर चढ़ने लगे हैं। प्रदेश के कई जिलों में लोग लू और गर्म हवाओं की वजह से परेशान हैं। शनिवार को लगभग सभी शहरों के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। खजुराहो, शाजापुर और नौगांव में तापमान बहुत अधिक बढ़ा और भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर अब तक के सबसे गर्म रहे। पचमढ़ी को छोड़ दें तो बाकी शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। खजुराहो में 42.2 डिग्री, नौगांव और शाजापुर में 42.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। खरगोन, टीकमगढ़, रतलाम, रायसेन, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, मलाजखंड, दमोह, खंडवा, सागर और सतना में टेम्प्रेचर 41 डिग्री या इससे अधिक रहा। पचमढ़ी में पारा सबसे कम 35.6 डिग्री दर्ज किया गया। शिवपुरी, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, सीधी, बैतूल, उमरिया और धार में तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया।

तबादले के बाद भी एक माह से पुरानी तहसील में ही जमे थे पटवारी

अपर कलेक्टर ने सभी 17 पटवारियों को एक तरफा भार मुक्त करने के आदेश किए जारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लगभग डेढ़ महीने पहले कलेक्टर जिले की विभिन्न तहसीलों में पद 17 पटवारी का अन्य तहसीलों में कर दिया उसके बाद भी अधिकांश पुरानी तहसील से नहीं छोड़ रहे थे। पिछले दिनों परीक्षण के बाद सामने आई जानकारी के आधार पर अपर कलेक्टर ने सभी पटवारी को एक तरफ भार मुक्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

विभिन्न तहसीलों में लंबे समय से पदस्थ रहे पटवारियों के हल्के तथा तहसील में परिवर्तन के आदेश अपर कलेक्टर रोशन राय ने 13 मार्च को जारी कर उन्हें नई तहसील में पदस्थ किया था। एक महीना 13 दिन बीत जाने के बावजूद अधिकांश पटवारी पुरानी तहसील और गांव का मोह नहीं छोड़ रहे थे उन्हें संबंधित तहसीलदार ने भी बाहर करने पर ध्यान नहीं दिया जिसके कारण नई जगह के गांव में कार्य प्रभावित हो रहा था। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा पिछले दिनों राजस्व कार्य की समीक्षा के लिए अपर कलेक्टरों के माध्यम से तहसीलों का निरीक्षण कराया गया निरीक्षण में लापरवाही सामने आने के बाद सात पटवारी के निलंबन की कार्रवाई की थी वही पद स्थापना के बाद भी नई जगह पर कार्यभार नहीं संभालने वाले पटवारी की सूचना के बाद कल अपर कलेक्टर ने सभी पटवारी को एक तरफा भार मुक्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। अपर कलेक्टर के बाहर मुक्त करने के आदेश के आधार पर आज तहसील से उक्त सभी पटवारी हटाए जाएंगे और उन्हें नई पदस्थापना की जगह पर कार्य शुरू करना होगा।

निलंबन के बाद भी जमे पटवारी हीं सौंप रहे जिम्मेदारी

लापरवाही सामने आने के बाद कलेक्टर ने सात पटवारी को निलंबित कर उनका मुख्यालय अलग-अलग तहसील में निर्धारित किया है। निलंबन के बाद अन्य पटवारी को उनके गांव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर द्वारा किए गए निलंबन के बाद भी अधिकांश तहसीलदार पटवारी से पुरानी तारीख में कार्य करवा रहे हैं और उन्हें निलंबन अवधि के दौरान जिस तहसील मुख्यालय में भेजा गया है वहां नहीं जाने दिया है। उक्त पटवारी की जिम्मेदारी जी अन्य पटवारी को दी जानी है उनके डिजिटल हल्के में अभी तक गांव भी नहीं जोड़े गए हैं और ना ही पुराने पटवारी की आईडी तहसील से हटाई गई है जिसके कारण वह अभी भी यथावत काम करते नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय कि पिछले दिनों निलंबित पटवारी ने एकजुट होकर पटवारी संघ के माध्यम से कलेक्टर के समक्ष निलंबन समाप्त करने का आवेदन प्रस्तुत किया था, जिस पर अभी तक कोई विचार नहीं किया गया है।

इंदौर में बदमाशों के हौसले बुलंद डॉक्टर के स्कूटर से 5 लाख का हार - बाजूबंद ले उड़े बदमाश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

डॉक्टर के स्कूटर की डिक्की से 5 लाख रुपये का हार और बाजूबंद चोरी हो गया। जूलरी शोरूम से निकल कर डॉक्टर डेयरी पर दूध लेने रुके थे। शक है बदमाश शोरूम से ही पीछा करते हुए आए थे ।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज तो निकाले बदमाशों के चेहरे स्पष्ट नहीं हुए। एक अन्य घटना भी सामने आई है जो तुकोगंज थाने के सामने की है।

भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक घटना बीजे विहार कॉलोनी निवासी 66 वर्षीय डॉ.अगस्त्य कुमार चौधरी के साथ हुई है। चौधरी धार के शासकीय अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर रहे है। शुक्रवार को शाम तुकोगंज थाना के सामने स्थित डीपी ज्वेलर्स पर आभूषण रिपेयर करवाने आए थे। करीब आठ तोला वजनी हार और बाजूबंद रिपेयर करवाकर घर जा रहे थे। चितावद में स्कूटर रोक कर दूध लेने लगे तो बदमाश डिक्की उचका कर जूलरी का बॉक्स ले गए। डॉक्टर के मुताबिक उनका ध्यान स्कूटर की तरफ ही था। रुपयों के लिए मुंह मोड़ा और बदमाशों ने डिक्की तोड़ दी। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिल गए है। जानकारी मिली कि इसी तरह की एक अन्य घटना तुकोगंज थाना के सामने स्थित विशाल मेगा स्टोर के बाहर हुई है। स्कूटर सवार युवक डीपी ज्वेलर्स से बाली और अंगूठी लेकर कपड़े खरीदने रुके थे। इसी दौरान बदमाश ज्वेलरी लेकर फरार हो गए।

परिवहन विभाग के पोर्टल की धीमी गति से अटके आवेदन, आवेदक हो रहे परेशान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आमजन की सुविधा के लिए परिवहन विभाग ने अपनी सभी सेवाओं के आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, लेकिन यह सुविधा लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। विभाग का पोर्टल दिन में कई बार ठप हो जाता है, इस वजह से आवेदकों को परेशान होना पड़ रहा है। विगत पांच दिन से भी परिवहन विभाग का पोर्टल अटक रहा है। सबसे अधिक सारथी पोर्टल परेशानी दे रहा है। इस वजह से लाइसेंस के काम प्रभावित हो रहे है।

नायता मुंडला स्थित परिवहन कार्यालय में कामकाज छोड़कर लाइसेंस और अन्य काम से आने वाले आवेदकों को परेशान होना पड़ रहा है। विगत पांच दिन से सारथी पोर्टल ठप है और वाहन पोर्टल भी धीमा चल

रहा है।इससे लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन जैसे काम नहीं हो पा रहे। शुक्रवार को ऑनलाइन रसीदे नहीं कट सही, इस वजह से आवेदन नहीं हो सके। सूत्रों का कहना है कि फरवरी माह से सर्वर लगातार परेशान कर रहा है। इसके कारण आवेदन लंबित हो रहे है। विभाग के एनआईसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि वाहन पोर्टल की समस्या की जानकारी नहीं है, लेकिन सार्थक पोर्टल की समस्या की जानकारी मिली है। इसको जल्द ही सुधारा जा रहा है।

अप्रूवल में भी हो रही परेशानी

पोर्टल पर दर्ज होने वाले आवदनों का निराकरण आनलाइन होता है। अधिकारियों को भी अप्रूवल आनलाइन ही देना होती है। ऐसे में सर्वर की परेशानी के कारण अप्रूवल जैसे काम भी प्रभावित हो रहे है। कई बार पोर्टल अचानक बंद होने से दोबारा लागिन करना पड़ता है। इससे अप्रूवल के आवेदन लंबित हो रहे है। सेंट्रल सर्वर सुविधा की वजह से परेशानी बड़ी है।

प्रतिदिन पांच सौ से अधिक आवेदन

नायता मुंडला परिवहन कार्यालय में प्रतिदिन पांच सौ से अधिक आवेदन लर्निंग और परमानेंट लाइसेंस के जमा होते है। वही ढ़ाई सौ के करीब रिन्युअल के आवेदन भी किए जाते है। सार्थक पोर्टल की परेशानी की वजह से पांच दिन से तीन हजार से अधिक आवेदकों के आवेदन जमा नहीं हो सके। तेज धूम में परिवहन कार्यालय तक पहुंचने के बाद आवेदकों को मायूस होकर लोटना पड़ रहा है।

विश्व हास्य योग दिवस विशेष

स्वस्थ रहने के लिए हास्य एक औषधि है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आज विश्व हास्य दिवस है। प्रति वर्ष मई माह के प्रथम रविवार को यह दुनिया के कई देशों में इसे मनाया जाता है। इस दिन कई जगहों पर तो यह हास्य उत्सव सा नजारा रहता है। हो,हो,हा,हा...की यह ध्वनि आज इंदौर शहर के विभिन्न उद्यानों में हर सुबह सुनाई देती है जहाँ सभी वरिष्ठ व कनिष्ठ एक साथ हँसते हैं, ठहाके लगाते हैं पर इसके पीछे के सफर की दास्तां कुछ यूँ है-

आज से कोई ३० वर्ष पूर्व जब हम इंदौर शहर में सुबह सुबह हँसते थे तो लोग हमें सिरफिरा समझ कर हम पर हँसते थे। फिर मैंने और हमारे कुछ साथियों ने शहर के विभिन्न बाग-बागीचों में सुबह-सुबह ५ बजे से उठकर हास्य योग करवाया और उसके फायदे के बारे में लोगों को बताया तो हास्य का दौर चालू हुआ। इस हास्य के महायज्ञ में श्री,मतलानी जी, ओ.पी, गुप्ता जी, बेदी जी, श्रीवास्तवजी, बलराज सबलोक, डॉ डी.के.तनेजा, इन्दु भंडारी जी, कैलाश खंडेलवाल जी, वीर छाबड़ा, उज्जवल स्वामी, एस,बी ठाकुर,जगत बिष्ट और भी अन्य साथियों ने भी अपने सहयोग की आहुति से प्रज्ज्वलित रखा और दिन-ब - दिन हास्य योग क्लबों की संख्या बढ़ती ही चली गई। इस बीच विश्व हास्य योग महासंघ की नींव भी रखी गई और विभिन्न शहरों और सामाजिक संस्थाओं,जेलों,दिव्यांग स्थलों व वृद्धाश्रम में जाकर हास्य योग करवाया और इससे तनाव मुक्त जीवन के बारे में बताया। सन् २०१३ से मनपसंद हास्य योग क्लब को श्री राम किशन के साथ आने से नई स्फूर्ति मिली और जब सोशल मीडिया भी सक्रिय हो चुका था। शनै-शनै यह क्लब, फोटो, वीडियो और कार्यक्रमो के माध्यम से भारत वर्ष के साथ साथ दुनिया मे प्रसिद्ध हो गया और हास्य के विश्व गुरु कहे जाने वाले डॉ मदन कटारिया जिन्होंने एक सौ पचास देशों में हास्य का परचम लहराया उन्होंने इस क्लब को शीर्षता प्रदान कर विश्व का पहला हास्य क्लब बना दिया। सन् २०१५ में श्री राम किशन के साथ मिलकर हास्य योग का विश्व रिकार्ड बनाने का स्वप्न देखा और प्रयास प्रारम्भ किया। वो दिन आ गया,,२८ नवंबर की वो कभी न भूलने वाली सुबह जब डॉ मदन कटारिया,व प्रसिद्ध हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा व इंदौर के ढाई, तीन हजार लोगों के बीच गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के नियमानुसार इंदौर के प्रसिद्ध गांधी हाल में हमने मनपसंद हास्ययोग क्लब के माध्यम से विश्व रिकॉर्ड बनाया और दुनिया के प्रथम हास्य योग क्लब बनकर इंदौर इंडिया को सम्मान दिलवाया जो आज भी बना हुआ है साथ ही मुझे व हमारे कुछ साथियों को हास्य यूनिवर्सिटी द्वारा हास्य राजदूत से सम्मानित किया गया। और इसके बाद पूरे देश में हास्य क्रिया को बड़े- बड़े डाक्टर व स्वास्थ्य गुरुओं ने इसे अच्छे स्वास्थ्य व तनाव मुक्त जीवन के लिए लाभदायक बताया।कोरोना काल में भी इसे आनलाइन करवाया जो फेफड़ों के लिए उत्तम साबित हुआ। आज ईश्वर की कृपा और नियमित हास्य योग से हम में से बहुत से लोग जो उम्र के आठवें, नवें दशक में हैं वो पूर्णतः स्वस्थ और दीघार्यु की ओर प्रयासरत हैं, ।अब कई नये लोग इससे जुड़ कर इसे आगे बढ़ा रहे है। ईश्वर सबको स्वस्थ रखे।

हम तो यही नारा लगाते है

हंसता इंदौर, स्वस्थ
व स्वच्छ इंदौर
हो हो हा हा हा...

जनार्दन शर्मा (आशु कवि लेखक हास्य व्यंग्य)
हास्य राजदूत (मनपसंद हास्ययोग क्लब, विश्व हास्य महासंघ)

एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने सर्जरी कर पेट से निकाला 17.4 किलो का कैंसर ट्यूमर, तीन घंटे तक चला ऑपरेशन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने शुक्रवार को 60 वर्षीय मरीज के पेट के ऊपरी हिस्से का ऑपरेशन कर 17.4 किलो का कैंसर ट्यूमर निकाला। दरअसल ट्यूमर मरीज की दाहिनी किडनी, अवर वेना कावा और महाधमनी से जुड़ गया था, जिसमें निकालने में करीब तीन घंटे तक ऑपरेशन चला। ऑपरेशन के बाद मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है।

डॉक्टरों के अनुसार मरीज कुछ दिनों पहले ही पेट दर्द और सूजन की परेशानी लेकर एमवाय अस्पताल आया था। सर्जन डा. रिजुल मारवाह ने बताया कि मरीज के पेट में ट्यूमर बहुत बड़ा था और मरीज को खाना खाने और यहां तक कि चलने में भी परेशानी हो रही थी। ट्यूमर, दाहिनी किडनी, अवर वेना कावा और महाधमनी से जुड़ गया था। इसलिए सर्जरी करते समय टीम को बेहद सतर्क रहना पड़ा। जरा सी भी गलती घातक हो सकती थी।

चुनौतीपूर्ण थी सर्जरी

ट्यूमर ने कई नसों को कवर कर लिया था। पूरे ऑपरेशन में तीन घंटे का समय लगा। ऑपरेशन के बाद मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है और कुछ दिनों तक निगरानी में रहने के बाद उसे छुट्टी दे दी जाएगी। वरिष्ठ सर्जन डा. सुदर्शन ओड़िया ने बताया कि यह दुर्लभ ट्यूमर में से एक है और सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी। मरीज के शरीर में इतना भारी ट्यूमर देखकर हम हैरान रह गए और तुरंत सर्जरी करने का फैसला किया।

सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी जन्मदिन की छुट्टी, आदेश जारी

इंदौर। एमपी के सरकारी कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। अब प्रदेश में सरकारी अमले को उनके जन्मदिन पर अवकाश मिलेगा। जन्मदिन की छुट्टी के न केवल आदेश जारी हो गए हैं बल्कि इस पर अमल भी शुरू हो गया है। प्रदेश के ट्रैफिक विभाग ने जन्मदिन के अवकाश की पहल की है। इंदौर के दो ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को जन्मदिवस पर छुट्टी देकर इसकी शुरुआत भी कर दी गई है। पुलिस विभाग में छुट्टी पर अघोषित प्रतिबंध रहता है। घर में बेटी–बेटे की शादी जैसे अवसरों पर ही बमुश्किल छुट्टी मिल पाती है। ट्रैफिक पुलिस में तो और ज्यादा दिक्कत है। यातायात पुलिस कर्मियों के ये हाल हैं कि वे अवकाश के बारे में सोचते तक नहीं हैं। ऐसे ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों के लिए अब अच्छी खबर आई है। ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को अब उनके बर्थडे पर छुट्टी मिलेगी। इंदौर में यातायात डीसीपी ने शनिवार को घोषणा की कि ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी अपना जन्मदिन खुलकर मना सकते हैं।

बैलेट यूनिट और मानव जीवन में नोटा...

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अभी देश में लोकसभा चुनाव 2024 होने वाले हैं। पहले चुनाव में नोटा का उपयोग नहीं होता था। छपे हुए मतपत्र से चुनाव होते थे।और उसमें नोटा का विकल्प नहीं होता था। घूमते हुए तीरों की एक सील मतपत्र में लगाने के लिए दी जाती थी।यह सील कभी-कभी कुछ मतदाताओं द्वारा दो उम्मीदवारों के नाम और चुनाव चिन्ह के बीच में लगा दी जाती थी और ऐसे में विवाद की स्थिति बनती थी। घूमते तीर की सील का अधिक हिस्सा जिस प्रत्याशी के नाम और चुनाव चिन्ह की ओर जा रहा होता था उसे वह मत दिया हुआ मान्य किया जाता था।

डॉ रजनीश श्रीवास्तव
ग्लोबल हेराल्ड

कभी कभी कुछ मतदाता उम्मीदवार के नाम व चिन्ह के स्थान पर बैलेट पेपर प्राप्त करते समय लगाए गए अंगूठा निशानी को ही सील के बजाय मतपत्र पर लगा दिया करते थे।और उनका मत अमान्य हो जाता था। पीठासीन अधिकारी को यह भी ध्यान रखना होता था कि कहीं मतदाता मत डालने के बाद घूमते हुए तीरों की सील गलती से अपने साथ लेकर ना चला जाए, इसी कारण सामग्री वितरण के समय उसे घूमते हुए तीरों की सील के दो सेट दिए जाते थे। जब ईवीएम से चुनाव होना शुरू हुए तो उसमें एक बटन नोटा अर्थात नन ऑफ द अबव अर्थात उपरोक्त में से कोई नहीं अर्थात किसी भी अभ्यर्थी को नहीं चुनने का विकल्प दिया गया। विगत चुनावों में यह देखा गया है कि नोटा को जितने मत मिले हैं उससे कम मतों के अंतर से हार जीत हुई है। अर्थात अगर नोटा को मिले मत किसी हारे हुए प्रत्याशी को मिलते तो वह प्रत्याशी ही निश्चित तौर पर जीत सकता था। अब देखिए कि जीवन में नोटा का उपयोग कब कब और कौन कौन कर पाता है।

1. वह व्यक्ति जो नवजात बच्चे के रूप में बिना अपनी मर्जी के किसी भी धर्म या जाति के परिवार में जन्म ले लेता है और बिना उसकी मर्जी के माता,पिता,भाई ,बहन और बहुत से रिश्तेदारों नातेदारों से उसका रिश्ता जुड़ जाता है। मगर कालांतर में वह सबके साथ समान व्यवहार व सम्बन्ध बनाने के बजाय उनमें से कुछ रिश्तेदारों को तुलनात्मक रूप से अच्छा होने के कारण चुन लेता है और उनसे अच्छे संबंध जीवन पर्यन्त रखता है। मगर नोटा का उपयोग करने का कह कर वह घर छोड़कर जंगल में रहने के लिए यह कह कर नहीं चला जाता है। कि उसके आस पास के रिश्तेदार नातेदार और पड़ोसी लोग उसकी पसन्द के नहीं हैं।
2. वही बड़े होने पर शिक्षा प्राप्त करने के लिए जब स्कूल जाना शुरू करता है तो उसे मन माफिक स्कूल या विषय पढ़ाई के लिए किसी कारण से नहीं मिलते हैं। तो वह नोटा का उपयोग करना सोचकर पढ़ाई लिखाई छोड़ नहीं देता, बल्कि उपलब्ध स्कूल या विषयों पर विचार कर तुलनात्मक रूप से अपनी पसन्द के किसी अन्य स्कूल या विषय को लेकर पढ़ाई करता है।
3. जब वह शिक्षित होकर नौकरी या व्यवसाय के लिए प्रयास करता है तो मन माफिक नौकरी या व्यवसाय ना मिलने पर तुलनात्मक विचार कर दूसरे और तीसरे विकल्प के रूप में किसी अन्य नौकरी या व्यवसाय को चुन लेता है ना कि नोटा के उपयोग का सोचकर दूसरे या तीसरे विकल्प में मिल रही नौकरी और व्यवसाय छोड़कर घर बैठ जाए।
4. जब उसके विवाह की बात होती है तो सामने आए हुए विवाह के विभिन्न प्रस्तावों पर तुलनात्मक विचार विमर्श कर किसी एक को चुन लेता है और उससे विवाह भी कर लेता है।उस समय नोटा के उपयोग की बात कह कर विवाह का विचार त्याग नहीं देता और आजन्म कुंवारा रहने का विचार भी नहीं करता है।
5. वह जब किसी निमंत्रण में जाता है तो वहां बने हुए भोजन में अपनी पसंद की सब्जी ,पकवान या मिठाइयां आदि नहीं मिलने पर बिना खाना खाए घर नहीं आ जाता, बल्कि यह देखता है कि वहां जो सब्जी और मिठाइयां या अन्य पकवान उपलब्ध हैं, उनमें से तुलनात्मक रूप से अपनी कम पसन्द अनुसार कुछ अन्य चीज लेकर भोजन कर पेट भर लेता है। नोटा का विकल्प चुनकर बिना भोजन किये घर नहीं चला जाता।
6. मगर जब चुनाव का समय आता है तो उसे यह लगता है कि हमारी पसंद का उम्मीदवार नहीं है इसलिए नोटा के उपयोग का विचार कर यह तय करता है कि हम चुनाव लड़ रहे किसी भी उम्मीदवार को वोट नहीं देंगे। क्या लोकतंत्र के लिए यह उचित है। किसी को वोट न देने से क्या होगा,आप यदि अपना अमूल्य मत नहीं देंगे अर्थात नोटा को देंगे तो जो अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे हैं उनमें से जिनको आप बिल्कुल भी पसन्द नहीं करते हैं, वह ही अन्तिम रूप से चुना जा सकता है।

यह बात याद रखें कि नोटा को किसी अभ्यर्थी से अधिक मत मिलने पर द्वितीय स्थान पर मत प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को निर्वाचित घोषित किया जाता है।दोबारा मतदान या चुनाव नहीं होता है। इसलिए नोटा के बजाय जो अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे हैं उनमें से जो तुलनात्मक रूप से आपकी नजर में कुछ कम अच्छा भी हो तो उसे ही वोट देना चाहिए। जब जीवन में विभिन्न परिस्थितियों में आपको नोटा का उपयोग करने का अवसर ही नहीं मिला है तो फिर आज नोटा का उपयोग क्यों?

नोटा का उपयोग भूलकर भी नहीं करना चाहिए। आइए हम शपथ लें कि इस लोकसभा चुनाव 2024 में और बाद में होने वाले किसी भी चुनाव में हम नोटा का उपयोग नहीं करेंगे और मजबूत लोकतंत्र की स्थापना करेंगे। यह संदेश अन्य को भी प्रेषित करें।और शत प्रतिशत मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं को प्रेरित करें।

सम्पादकीय

जेल में बंद आरोपी व्यक्ति चुनाव क्यों लड़ सकते हैं लेकिन वोट नहीं दे सकते?

1975 में, इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव भारत के संविधान की 'बुनियादी संरचना' का एक हिस्सा हैं। सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि चुनाव करने और चुने जाने के अधिकारों को समान दर्जा प्राप्त नहीं है। 2006 में, कुलदीप नैयर बनाम भारत संघ के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वोट देने का अधिकार (या चुनाव का अधिकार) शुद्ध और सरल, एक वैधानिक अधिकार है। इसका मतलब यह है कि मतदान मौलिक अधिकार नहीं है और इसे निरस्त किया जा सकता है। बेंच द्वारा चुने जाने के अधिकार के लिए भी यही बात कही गई और फैसला सुनाया गया कि संसद द्वारा अधिनियमित कानून इन दोनों वैधानिक अधिकारों को विनियमित कर सकते हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 का शीर्षक है कुछ अपराधों के लिए दोषसिद्धि पर अयोग्यता। यदि किसी व्यक्ति को प्रावधान में प्रदान की गई विस्तृत सूची में से किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराया जाता है, तो उन्हें दोषी ठहराए जाने की तारीख से संसद या राज्य विधानसभाओं में चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और चुनाव लड़ने से छह साल की अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। यह अयोग्यता किसी व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने के बाद ही लागू होती है और यदि उन पर केवल आपराधिक अपराधों का आरोप लगाया गया है तो यह लागू नहीं होती है। भारतीय चुनाव आयोग को आरपी अधिनियम की धारा 11 के तहत अयोग्यता की अवधि को हटाने या कम करने का अधिकार है। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एक बार दोषसिद्धि पर रोक लगने के बाद दोषी ठहराए जाने के परिणामस्वरूप लागू होने वाली अयोग्यता प्रभावी नहीं रह सकती या प्रभावी नहीं रह सकती। आरपी अधिनियम की धारा 62 मतदान के अधिकार पर कई प्रतिबंधों का प्रावधान करती है। इसका उप-खंड (5) जो व्यापक शब्दों में कहता है, कोई भी व्यक्ति किसी भी चुनाव में मतदान नहीं करेगा यदि वह जेल में बंद है, चाहे कारावास या परिवहन की सजा के तहत या अन्यथा, या पुलिस की कानूनी हिरासत में है। निवारक हिरासत में रखे गए लोगों के लिए एक अपवाद प्रदान करते हुए, यह प्रावधान प्रभावी रूप से हर उस व्यक्ति को अपना वोट डालने से रोकता है जिसके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही आरोप लगाए गए हैं, जब तक कि उन्हें जमानत पर रिहा नहीं किया गया हो या बरी नहीं किया गया हो। अनुकूल चंद्र प्रधान, वकील, सुप्रीम कोर्ट बनाम भारत संघ, 1997 जिसमें में सुप्रीम कोर्ट ने धारा 62(5) को चुनौती को चार आधारों पर खारिज कर दिया था; वोट देने का अधिकार एक वैधानिक अधिकार था और यह वैधानिक सीमाओं के अधीन हो सकता है। यहां संसाधन की कमी है क्योंकि बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना होगा और पुलिस तैनात करनी होगी। अपने आचरण के कारण जेल में बंद व्यक्ति आंदोलन, भाषण और अभिव्यक्ति की समान स्वतंत्रता का दावा नहीं कर सकता। कैदियों के वोट देने के अधिकार पर प्रतिबंध उचित है क्योंकि यह आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को चुनाव परिदृश्य से दूर रखने से जुड़ा है।

रवि रंजन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

हंसी ही दुनिया को एकजुट करने में सक्षम...

ललित गर्ग | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

विश्व हास्य दिवस एक उपहार है एवं बिना खर्च के खुशियाँ मनाने एवं हंसकर तनाव दूर करने का विलक्षण एवं अद्भुत दिन है। यह हमें एकजुट करता है, जीवन को बेहतर बनाता है। मई महीने के पहले रविवार को मनाये जाने वाला यह दिन हंसने-हंसाने के बहुत सारे अवसर प्रदत्त कर अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र विकास को सुनिश्चित करता है। हंसने-हंसाने से तन-मन में उत्साह का संचार होता है, वहीं दिल से हंसना भी किसी दवा से कम नहीं है। अध्ययन के मुताबिक, जो लोग अक्सर हंसते हैं वे अधिक समय तक जीवित रहते हैं, बेहतर, समृद्ध और खुश रहते हैं साथ ही उनकी ऊर्जा भी काफी सकारात्मक होती है। दूसरे आप पर हंसकर आपको दुःखी करें, तनाव दें, उससे पहले खुद पर हंसना सीखें। आप खुद अपनी कमियों पर हंसकर उसे अवसर के रूप में देखें। ज्यादातर लोग दूसरों की हंसी को काफी गंभीरता से लेते हैं और दुखी हो जाते हैं। जबकि खुद पर हंसना आपको अधिक संवेदनशील, जुझारू, जीवट वाला, स्वस्थ और अधिक प्रामाणिक होने में सक्षम बनाता है। विश्व हास्य दिवस मुस्कुराने का बहाना ही नहीं, एक प्रेरणा एवं जिजीविषा है। इस दिन को अमल में लाने का क्रेडिट हास्य योग आंदोलन के संस्थापक डॉ. मदन कटारिया को जाता है। जिन्होंने ही मुंबई में पहली बार 11 जनवरी 1998 को विश्व हास्य दिवस को मनाया था। जिसका खास उद्देश्य समाज में बढ़ते तनाव, अशांति, चिन्ता एवं परेशानियों को कम करके उन्हें सुखी जीवन जीने की सीख देना था।

क्योंकि हँसना सभी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक है। हंसी हमारे जीवन की सफलता की चाबी है, वह अनेक समस्याओं का समाधान भी है। हंसी दुखी दिल के घावों को भरने वाला मलहम है। हमारे चेहरे का व्यायाम है और मन का आराम। शोध कहते हैं कि जैसे-जैसे हम बड़े हो रहे हैं, हमारा हंसना कम हो रहा है। इसी पर लेखक मिशेल प्रिटचार्ड कहती हैं, हम इसलिए कम नहीं हंसते कि हम बूढ़े हो गए हैं। हम बूढ़े ही इसलिए हुए कि हमने हंसना बंद कर दिया है। आज का इंसान अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता जा रहा है, फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ, जैसे- उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि को निमंत्रण दे रहा है। हँसने से ऊर्जा और ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है। शरीर में से दूषित वायु बाहर निकल जाती है। हमेशा खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है। साथ ही शरीर में रक्त संचार की गति को बढ़ाता है। इसके अलावा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। इसलिये डॉक्टर भी हर बीमारी के रोगी के लिये हास्य को उपयोगी बताते हैं। जो लोग हमें हंसाते हैं, वे हमारी स्मृतियों में रच-बस जाते हैं। हम किसी को पसंद या नापसंद कई कारणों से कर सकते हैं। पर लंबे समय तक हमारे प्रेम के हकदार वे लोग बनते हैं, जो हमें हंसाते हैं और हमारे चेहरे की हंसी बन जाते हैं। शायद इसीलिए विक्टर बोर्ग कहते हैं, हंसी दो लोगों के बीच की दूरी को पार करने का सबसे छोटा पुल है। हंसना एक ऐसा बेशकीमती उपहार है, जो कुदरत ने केवल मनुष्य को ही बख्शा है। हास्य एक सार्वभौमिक भाषा है। इसमें जाति, धर्म, रंग, लिंग से परे रहकर मानवता को समन्वय करने की क्षमता है। यह इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम है। हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण करने में सक्षम हैं। यह विचार भले ही काल्पनिक लगता हो, लेकिन लोगों में गहरा विश्वास है कि हंसी ही दुनिया को एकजुट कर सकती है। इसीलिये मार्टिन लूथर ने कहा है कि यदि मुझे स्वर्ग में हंसने की आज्ञा न हो तो मैं स्वर्ग नहीं जाऊंगा।

उदासी और बेचैनियों के बादल छाए रहते हैं, हंसी की धूप खिल नहीं पाती। लेखिका एमिली मिचेल कहती हैं, हंसी के बिना बीता दिन, अंधेरे में रहने जैसा है, आप अपना रास्ता ढूंढ़ने की कोशिश तो करते हैं, पर उसे साफ-साफ नहीं देख पाते। हंसना एक ऐसा सकारात्मक भाव एवं ऊर्जा है जो व्यक्ति के न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी स्वरूप को प्रभावी, समृद्धिशाली एवं तेजस्वी बनाता है। हास्य एक शक्तिशाली भावना है जिसमें व्यक्ति को ऊजार्वान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने की क्षमता हैं। यह व्यक्ति के विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। जब व्यक्ति समूह में हंसता है तो उसकी हंसी से सकारात्मक ऊर्जा सम्पूर्ण परिवेश में व्याप्त हो जाती है। दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। हंसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है। हंसी एक उत्तम टॉनिक का काम करती है। लंदन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सोफी स्कॉट कहती हैं कि, हंसी के द्वारा हमारा अवचेतन मन ये संकेत देता है कि, हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जापान में भगवान बुद्ध के शिष्य थे होतेई। वह बड़े अलमस्त स्वभाव के भिक्षुक थे। वह बेहद निर्लिप्त और निरपेक्ष भाव से जीवन जीने में विश्वास रखते थे। वह जिस कार्य को करते, उसमें पूरी तरह डूब जाते थे, तन्मय हो जाते। जापान में ऐसी मान्यता है कि एक बार होतेई मेडिटेशन करते-करते इतने रोमांचित हो गए कि ध्यानावस्था में जोर-जोर से हंसने लगे। इस अद्भुत घटना के उपरांत ही लोग उन्हें लाफिंग बुद्धा के नाम से संबोधित करने लगे। घूमना-फिरना, देशाटन करना, लोगों को हंसाना व खुशी प्रदान करना लाफिंग बुद्धा का ध्येय बन गया। चीन में लाफिंग बुद्धा को पुताई के नाम से भी जाना जाता है। चीनी लोग उन्हें एक ऐसे भिक्षुक के नजरिए से देखते हैं, जो एक हाथ में धन-धान्य का थैला लिए, चेहरे पर खिलखिलाहट बिखेरे अपना बड़ा पेट और थुलथुल बदन दिखाकर सभी को हंसाते हुए सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। वे समृद्धि व खुशहाली के संदेशवाहक और घरों के वास्तुदोष निवारण के प्रतीक भी माने जाते हैं। जापान जैसे देशों में लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं, ताकि उनकी भावी पीढ़ी सक्षम एवं तेजस्वी हो। दुनिया के अधिकतर देश आतंकवाद, हिंसा, युद्ध एवं महामारियों के डर से सहमे हुए हैं, ऐसे समय विश्व हास्य दिवस की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले दुनिया के लोगों में इतनी घबराहट और अशांति कभी नहीं देखी गई। आज हर व्यक्ति के अंदर घबराहट और अशांति का कोहराम मचा हुआ है। ऐसे दौर में केवल हंसी ही दुनियाभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर टेरीजा एमाबाइल ने कहा है कि, हँसते समय हमारा दिमाग सबसे अधिक क्रिएटिव होता है। हमें न केवल पारिवारिक परिवेश में बल्कि ऑफिस में हंसी-मजाक को बढ़ावा देना चाहिए। ऑफिस का माहौल मेल-जोल और हंसी मजाक वाला हो, जिससे टीम के बीच काम के प्रति उत्साह का संचार हो सके। खूबसूरत चेहरे के लिए हंसना कारगर साबित हो सकता है। हंसने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। मेडिकल प्रयोगों में पाया गया है कि, 10 मिनट तक हंसते रहने से दो घंटे की गहरी नींद आती है। हंसने वाले व्यक्तियों के कई सारे मित्र बन जातें हैं और इस प्रकार उनमें भाईचारा और एकता की भावना कब उत्पन्न होती हैं, पता ही नहीं चलता। हर व्यक्ति के जीवन में हड़कंप मचा हुआ है। तब हास्य दिवस की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले इस दुनिया में इतनी अशांति कभी नहीं देखी गई। इस व्यस्त, अशांत एवं तनावग्रस्त जिंदगी में लोग कम से कम एक दिन तो अपने लिए निकालें और जी भरकर हंसे और हंसायें। तभी ओशो ने कहा है कि जब आप हंसने के पश्चात शांत हो जाएंगे तो यह महसूस करेंगे कि, पूरा विश्व, ये पेड़-पौधे, सितारे, पत्थर, पर्वत, सब आपके साथ हंस रहे हैं।

पशु जीवन के साथ भी हो गरिमापूर्ण व्यवहार

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियाँ शामिल हैं जहाँ किसी जानवर की जरूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया हैः लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

दंड संहिता में संशोधन करके, जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सजा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुमार्ना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुमार्ना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है। प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा), निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा), कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसीए अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर-संज्ञेय (जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुमार्ने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 1890 में निर्धारित है। जुमार्ना महत्वहीन है (कई मामलों में ?10 से कम) क्योंकि 130 से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुमार्ना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है। यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुमार्ना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं 'सामुदायिक सेवा' के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

जानवरों के लिए पाँच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुमार्ने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुमार्ने का प्रावधान जारी रखा गया है। पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किये गये हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं। व्यक्ति का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48ए पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 1960 जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है। यह चिकित्सा उन्नति सुनिश्चित करने की दृष्टि से प्रयोगों के लिए जानवरों के उपयोग की छूट देता है। भले ही विधेयक का मसौदा कानून बन जाए, फिर भी अपराधियों के लिए मामूली जुमार्ना भरना और अत्यधिक क्रूरता के कुछ कृत्यों के लिए कारावास से बचना संभव होगा। अपनी सीमाओं के साथ, मसौदा विधेयक का अधिनियमन भारत में पशु कानून के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। भारत को दुनिया के सभी देशों के लिए एक महान उदाहरण स्थापित करना चाहिए। हमें एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए, इसलिए नहीं कि मुझे लगता है कि हम श्रेष्ठ हैं लेकिन क्योंकि हमने किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं अधिक अहिंसा के बारे में बात की है, इसलिए जितना अधिक हम इसके बारे में बात करेंगे, इसे व्यवहार में लाने की जिम्मेदारी उतनी ही अधिक होगी।

राजा की उदारता...

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुईं। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की। महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाह्य ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले मसालों की ईटीओ जांच अनिवार्य

नई दिल्ली ■

सिंगापुर और हांग कांग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर सवाल उठने के बाद भारत के स्पाइसेज बोर्ड ने दोनों देशों को निर्यात किए जाने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की जांच अनिवार्य कर दी गई है। 6 मई से ऐसी जांच अवश्य करनी होगी और स्पाइसेज बोर्ड से इस बारे में सर्टिफिकेट मिलने पर ही इन दोनों देशों को मसाले भेजे जाएंगे।

बोर्ड के मुताबिक सिंगापुर फूड एजेंसी के मुताबिक, मसालों में ईटीओ की मैक्सिमम रेजिड्यू लिमिट 50पीपीएम होनी चाहिए। हांग कांग में ईटीओ प्रतिबंधित है। लिहाजा रेडी टु ईट प्रोडक्ट्स सहित सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले सभी स्पाइस कंसाइनमेंट्स के साथ स्पाइसेज बोर्ड की ओर से जारी एनालिटिकल रिपोर्ट होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक भारत के लिए यह मामला काफी संवेदनशील है। स्पाइसेज बोर्ड के मुताबिक, 2022-23 में भारत से 3.95 बिलियन डॉलर का मसाला निर्यात हुआ था। एक रिपोर्ट में कहा है कि इस विवाद के चलते भारत के आधे मसाला निर्यात पर आंच आ सकती है। सिंगापुर और हांग कांग ने कथित तौर पर कीटनाशक ईटीओ होने का हवाला देकर एमडीएच और एवरेस्ट के 4 मसाला प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के मुताबिक ईटीओ से कैंसर होने का खतरा होता है। एवरेस्ट और एमडीएच ने कहा था कि उनके उत्पादों की क्वॉलिटी बिल्कुल ठीक है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की गिरावट

नई दिल्ली ■

बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की तेज गिरावट हुई है। अब अपना भंडार 637.922 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है, जबकि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट ही हो रही है।

इससे पहले लगातार सात सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी ही हो रही थी। हालांकि, इसी समय अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में ऐसी स्थिति नहीं है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक 26 अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट हुई। इस दौरान अपना भंडार 2.412 बिलियन घटकर 637.922 बिलयन रह गया था। इससे पहले 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 640.334 अरब डॉलर था। इससे पहले पांच अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

टाइटन का मुनाफा मार्च तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। टाइटन कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 771 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 736 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि उसकी कुल आय बीते वित्त वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 11,472 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल समान तिमाही में 9,419 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी का मुनाफा 3,496 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 3,274 करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय 47,501 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 38,675 करोड़ रुपये थी।

प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगा

नई दिल्ली ■

केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। इसके साथ ही सरकार ने देसी चने के आयात पर शुल्क से 31 मार्च, 2025 तक छूट देने का फैसला किया। इसके अलावा 31 अक्टूबर, 2024 या उससे पहले जारी किए गए बिल ऑफ एंट्री के जरिये पीले मटर के आयात पर शुल्क छूट भी बढ़ा दी गई है। बिल ऑफ एंट्री एक कानूनी दस्तावेज है जो आयातकों या सीमा शुल्क निकासी एजेंटों के आयातित माल के आगमन पर या उससे पहले दाखिल किया जाता है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि ये सभी बदलाव चार मई से प्रभावी होंगे। फिलहाल प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि, सरकार भारत के मित्र देशों को निर्यात की अनुमति देती है। इसने संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश को एक निश्चित मात्रा में प्याज निर्यात की अनुमति दी हुई है। पिछले साल अगस्त में भारत ने प्याज पर 31 दिसंबर 2023 तक 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था।

न्यूज ब्रीफ

दमोह-जबलपुर मार्ग पर बाइक सवार पर गिरा बिजली का तार, करंट से झुलसा युवक खुद बाइक से पहुंचा अस्पताल

दमोह। दमोह-जबलपुर मार्ग पर देहात थाना अंतर्गत राजा पटना बैंक के समीप शनिवार दोपहर एक बाइक सवार पर बिजली का तार गिर गया, जिससे उसे करंट लग गया। हाथ व गर्दन में जल गया, तत्काल ही बाइक सवार रूका तो बिजली कंपनी के कर्मचारी लाइन सुधार कर रहे थे। उन्होंने घायल को अस्पताल नहीं पहुंचाया तो घायल खुद ही बाइक से इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचा और जबलपुर नाका चौकी पुलिस को सूचना दी। कोतवाली थाना क्षेत्र के उमा मिस्त्री की तलैया में रहने वाले मुकेश पिता कैलाश चंद गुप्ता 46 ने बताया कि शनिवार दोपहर जबलपुर मार्ग से दमोह की ओर आ रहे थे। जैसे ही वह राजा पटना बैंक के समीप पहुंचे उनके उपर बिजली का तार गिर गया, जिससे करंट लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े। उन्होंने उठकर देखा तो बिजली कर्मचारी सुधार कर रहे थे। लेकिन उन्होंने घायल को अस्पताल नहीं पहुंचाया। बाइक सवार ने हेलमेट लगाया था। इसलिए सिर में कोई चोट नहीं आई। घायल ने सबसे पहले मोबाइल से बिजली कर्मचारियों का वीडियो बनाया और जबलपुर नाका चौकी पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने कहा कि वह पहले इलाज कराने अस्पताल जाएं। इसलिए घायल मुकेश इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। घायल ने बताया कि उसके उपर जैसे ही बिजली का तार गिरा तो हाथ और गर्दन में करंट लग गया और वह बाइक सहित नीचे गिर गए। हेलमेट लगाए थे इसलिए सिर में करंट नहीं लग पाया। सामने बिजली कंपनी के कर्मचारी ट्रांसफार्मर में सुधार कर रहे थे उनके द्वारा कोई मदद नहीं की गई तो उन्होंने मोबाइल से इन लोगों का वीडियो बनाया और पुलिस को सूचना देने के बाद इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। घायल ने मांग की है कि लापरवाह बिजली कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए।

अमरनाथ यात्रा के लिए बुकिंग फुल, अब ऐसे कर सकते हैं बाबा बफार्नी के दर्शन

भोपाल। अमरनाथ यात्रा 2024 प्रसिद्ध अमरनाथ यात्रा की सुगबुगाहटें शुरू हो चुकी हैं। इस बार अमरनाथ यात्रा 29 जून से प्रारंभ होगी, जोकि 19 अगस्त तक चलेगी। इस प्रकार अमरनाथ की यात्रा इस बार पूरे 52 दिन तक की जा सकेगी। अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए इस बार एमपी में श्रद्धालुओं में जबर्दस्त जोश दिख रहा है। यही कारण है कि राजधानी भोपाल में तो अमरनाथ यात्रा के लिए बुकिंग फुल हो चुकी है। बाबा बफार्नी के दर्शन करने जाने के लिए भोपाल में 8 हजार भक्तों के पंजीयन हो चुके हैं। यहां 16 जुलाई तक अमरनाथ यात्रा 2024 की बुकिंग फुल हो चुकी है। अमरनाथ की यात्रा करने के लिए अब एक ही उपाय बचा है। अमरनाथ बाबा के दर्शन के लिए अब ?इसके बाद की तारीखों में ही जाना संभव है। बालटाल और पहलगाम के रास्ते से अमरनाथ बाबा के दर्शन के लिए लोग ऐसे बेकरार थे कि महज 12 दिनों में ही बुकिंग फुल हो गई। 8 हजार से अधिक भक्तों के पंजीयन कराए जा चुके हैं। इनमें सात हजार लोगों ने ऑनलाइन पंजीयन कराए। बैंकों से करीब 1 हजार भक्तों ने पंजीयन कराए हैं। पंजाब नेशनल बैंक और जम्मू एंड कश्मीर बैंक में पंजीयन के लिए रोज लोगों की लंबी कतारें लग रहीं हैं। अमरनाथ के दर्शन करने पहलगाम के रास्ते से जानेवालों को 18 जुलाई के बाद की तारीखें मिल पा रहीं हैं।

यूपीएससी की परीक्षा पास कराने का झांसा देकर बीटेक छात्रा से 20 लाख के जेवर ठगे, दुष्कर्म भी किया

भोपाल। राजधानी भोपाल में पिपलानी पुलिस ने बीटेक की पढ़ाई कर रही एक युवती की रिपोर्ट पर दो युवकों और एक अन्य पाखंडी बाबा के खिलाफ धोखाधड़ी और दुष्कर्म की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पीड़िता को यूपीएससी की परीक्षा पास कराने के लिए उसके दोस्त ने एक कथित बाबा से अनुष्ठान करवाया और करीब 20 तोला वजनी सोने के जेवरात हड़प लिए। इतना ही नहीं बाबा के कहने पर उसने युवती को होटल ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म भी किया। घर से जेवरात गायब होने की जानकारी परिवार वालों को लगी तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 21 वर्षीय युवती बीटेक सेकेण्ड इयर की पढ़ाई कर रही है। करीब चार साल पहले वह जिस स्कूल में पढ़ती थी, उसकी स्कूल में अभिषेक जाट नामक युवक भी पढ़ता था। वह युवती से दोस्ती करना चाहता था, लेकिन युवती ने दोस्ती से इंकार कर दिया था। करीब दो साल पहले वर्ष 2022 में युवती ने कालेज में दाखिला लिया तो एक बार फिर से अभिषेक ने उससे संपर्क किया। इस बार दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। बातचीत के दौरान युवती ने अभिषेक को बताया कि उसका सपना यूपीएससी की परीक्षा पास करके अफसर बनने का है। इस पर अभिषेक ने बताया कि उसका एक दोस्त अमर माली है, जो एक गुरुजी को जानता है। वह गुरुजी अनुष्ठान करके यूपीएससी में चयन करवा सकते हैं। कई युवक पहले भी उनसे अनुष्ठान करवा के यूपीएससी की परीक्षा पास कर चुके हैं। अभिषेक के कहने पर युवती ने अमरमाली से बात की तो अमर ने अपने गुरुजी से उसकी फोन पर बात करवाई।

शादी के आठ दिन बाद ही विधवा हुई दुल्हन, पति ने प्रेमिका संग लगा ली फांसी

सागर। मध्यप्रदेश के सागर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां शादी के आठ दिन बाद दुल्हन विधवा हो गई है। देवरी थाना के नारायनपुर गांव के जंगल में शनिवार महिला के पति ने किसी लड़की के साथ पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि इन दोनों के बीच पहले से ही प्रेम-प्रसंग का मामला चल रहा था।। घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जंगल में शव पाए जाने से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने जांच में बताया कि मृतकों की पहचान कर ली गई है। मृतक लड़का-लड़की पास के ही गांव के रहने वाले हैं। युवक की उम्र लगभग 19 साल है। वहीं लड़की की उम्र भी 18 साल के करीब है। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों ने प्रेम-प्रसंग के चलते ये कदम उठाया है। एफएसएल की टीम घटनास्थल से कुछ सबूत जुटाए हैं। मृतकों की शिनाख्त हो गई है। दोनों आदिवासी समाज से ताल्लुक रखते हैं। दोनों के शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बाणसागर नहर में गिरी स्कॉर्पियो, सवार लोगों की जल समाधि, एक शव बरामद

सीधी ■

सीधी जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक स्कॉर्पियो बाणसागर नहर में जा गिरी। हादसा रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत रीवा-सीधी गड्डी मार्ग से गुजरने वाली ब्रिज के पास हुआ। घटना का पता चलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयासों के बाद स्कॉर्पियो को नहर से बाहर निकाला। गाड़ी को नहर से निकालने के लिए नहर का पानी भी बंद कराना पड़ा, पुलिस ने एक शव बरामद किया है जिसकी शिनाख्त कर ली गई है। स्कॉर्पियो का नंबर MP 17 CA 7418 है।

एक शव बरामद, बाकी की तलाश जारी

पुलिस ने नहर से एक शव बरामद किया है जिसकी शिनाख्त कर ली गई है। फिलहाल ये पता नहीं चल पाया है कि स्कॉर्पियो में कितने लोग सवार थे। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजन से संपर्क कर स्कॉर्पियो सवार लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आशंका जाहिर की जा रही कि स्कॉर्पियो में और भी लोग सवार थे। पुलिस का कहना है कि नहर का पानी पूरी तरह से कम होने के बाद पूरी नहर खंगाली जाएगी।

नहर में गिरी स्कॉर्पियो

स्कॉर्पियो के नहर में गिरने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण रेस्क्यू में काफी दिक्कत आ रही थी जिसके कारण नहर का पानी कम कराया गया। करीब तीन घंटे बाद नहर का पानी कम होने से जीप को बाहर निकलवाया गया, तब पता चला कि जीप रीवा जिले की है।

पुलिसकर्मियों से भरी बस पलटी, पुलिसकर्मी घायल

दतिया ■

दतिया से बड़ी खबर सामने आई है यहां सीएम मोहन यादव के कार्यक्रम से ड्यूटी कर लौट रहे पुलिस जवानों की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में करीब 40 पुलिस जवानों के सवार होने की बात सामने आई है जिनमें से 32 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल भेजा गया है।

पुलिसकर्मी भांडेर में सीएम मोहन यादव की सभा में ड्यूटी कर वापस लौट रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक भांडेर में हुई सीएम मोहन यादव की सभा में ड्यूटी करने के बाद पुलिस जवान बस से दतिया लौट रहे थे तभी दतिया-भांडेर रोड पर मोहना हनुमान मंदिर के पास बस

अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के पलटते ही चीख पुकार मच गई और रास्ते से गुजर रहे लोगों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने राहगीरों के साथ मिलकर एंबुलेंस व अन्य वाहनों के जरिए घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज किया जा रहा है। घायलों की संख्या 32 सामने आई है जिनमें से 3 की हालत गंभीर बताई गई है।

अंधे मोड़ पर पलटी ओवर स्पीड बस

बताया गया है कि जिस जगह पर पुलिसकर्मियों की बस पलटी है वहां पर रोड पर अंधे मोड़ हैं और ये भी जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि बस की रफ्तार ज्यादा थी इसलिए ड्राइवर मोड़ पर बस का नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई।

ये पुलिसकर्मी घायल

संजीव कुमार, सतप्रकाश प्रभारी कंपनी, धर्मेन्द्र राजावत, संतोष सेन, योगेंद्र, देवेंद्र कुमार, कोकसिंह, सिरोमन, आरएस तिवारी, परीक्षित, पुरोषत्तम शर्मा, उमा शंकर, भगवान सिंह कुशवाह, अमर सिंह, देवनारायण, अनुज शर्मा, रामकुमार, अशोक, सतीश, प्रशांत, बानसिंह, विद्याराम, दिग्विजय सिंह, राजेश रावत, कर्ण सिंह यादव, राजीव बघेल, लेखराम गर्ग, केशकांत, संतोष, कपेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राजकुमार

ईडब्ल्यूएस कोर्ट लागू होगा अनारक्षित पदों पर, हाईकोर्ट ने आरक्षण प्रक्रिया को माना सही

जबलपुर ■

निर्धारण पदों की संख्या के आधार पर ईडब्ल्यूएस वर्ग को दस प्रतिशत आरक्षण नहीं दिए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल ने याचिका को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित सीट के आधार पर ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया जाता है।

याचिकाकर्ता अंकुष मिश्रा, पुष्पेन्द्र कुमार सहित अन्य की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि स्वास्थ्य विभाग में लैब टेक्नीशियन पद के लिए प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड ने एग्जाम आयोजित किये थे। लैब टेक्नीशियन के कुल पदों की

संख्या 219 थी। ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए दस प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है। इस अनुसार ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 22 पद आरक्षित होना चाहिये थे, परंतु इस कोटे के तहत सिर्फ चार लोगों को नियुक्तियां प्रदान की गयी। याचिका की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने पाया कि निर्धारित पदों में 122 पद ओबीसी, 46 पद एसटी तथा 13 पद एसटी वर्ग के लिए निर्धारित थे। सामान्य वर्ग के लिए 34 पद निर्धारित थे।

यादव का बड़ा बयान, कहा- किसी के नहीं हुए राहुल, बहन का हक भी मारा

भोपाल ■

एमपी में लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण को लेकर दोनों प्रमुख दलों में घमासान तेज हो गया है। तीसरे चरण में प्रदेश की गुना, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, भोपाल, राजगढ़, विदिशा, सागर और बैतूल समेत कुल 9 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होना है। इस चरण में कांग्रेस के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, बीजेपी के केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व सीएम शिवराजसिंह चौहान की प्रतिष्ठा दांव पर है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना से चुनाव मैदान में हैं। उनके समर्थन में सीएम मोहन यादव और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनसभाओं को संबोधित किया। दोनों राज्यों के सीएम ने कांग्रेस पर

जमकर निशाना साधा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तो अपनी बहन तक हक मार रहे हैं। गुना के लक्ष्मीगंज में आयोजित जनसभा में मोहन यादव बोले- राहुल गांधी न तो अपनी बहन के हुए और न ही जीजाजी के। राहुल बहन का हक मारकर रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। पिछली बार अमेठी से भागे थे। जीजाजी अमेठी से लड़ने के लिए पोस्टर लगवा चुके थे। इतना ही नहीं, सीएम मोहन यादव ने दिग्विजय सिंह और कमलनाथ को इशारों में राहू-केतु करार दिया। सभा में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना को अपने दिल का टुकड़ा बताते हुए कहा कि संकट की हर घड़ी में सिंधिया परिवार आपके साथ रहा है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने इमरती देवी के लिए कहे गए शब्दों के लिए जीतू पटवारी की निंदा की। इससे पहले यूपी के सीएम योगी ने ज्योतिदादित्य सिंधिया के समर्थन में जनसभा ली। गुना में सीएम योगी ने राममंदिर आंदोलन में ज्योतिरादित्य सिंधिया की दादी राजमाता सिंधिया के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभुश्री रामलला 500 वर्षों के बाद विराजमान हुए। श्रीरामलला के विराजमान होने पर राजमाता की आत्मा को असीम शांति मिली होगी।

प्रेमिका के साथ रात गुजारकर सुबह भाग गया प्रेमी, मच गई चीख पुकार

डबरा। रात में प्रेमिका प्रेमी के घर पहुंची जहां रातभर प्रेमी के साथ रही लेकिन जैसे ही सुबह हुई तो प्रेमी गायब था। पास में प्रेमी को न पाकर प्रेमिका बेचैन हो गई और प्रेमी के ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। ये तो गनीमत रही की उसकी जान बच गई। प्रेमी-प्रेमिका के बीच 4 साल से लव अफेयर चल रहा था। मामला डबरा का है यहां बुजुर्ग रोड पर रहने वाले आशीष गुप्ता का प्रेम प्रसंग 4 साल से दतिया की रहने वाली महिला निशा (बदला हुआ नाम) से चल रहा था। शुक्रवार की रात निशा प्रेमी आशीष के घर पहुंची और रातभर दोनों एक साथ रहे लेकिन शनिवार की सुबह जब प्रेमिका निशा की नींद खुली तो आशीष कमरे में नहीं था उसने घर में मौजूद आशीष के परिजन से पूछा तो पता चला की परिजन ने आशीष को कहीं भगा दिया है।

डीएसटी टीम और नादनपुर पुलिस की कार्रवाई, 55 हजार का इनामी वीरू नाई गिरफ्तार, एमपी पुलिस को भी थी तलाश

धौलपुर ■

राजस्थान और मध्य प्रदेश पुलिस के 55 हजार रुपये के इनामी बदमाश को डीएसटी टीम के साथ नादनपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। खुर्दिया के जंगलों में कार्रवाई कर गिरफ्तार किए गए इनामी बदमाश पर 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश मध्य प्रदेश में हुए अपहरण को लेकर चर्चा में आया था।

नादनपुर थाना प्रभारी राजेंद्र गिरी ने बताया कि डीएसटी हेड कांस्टेबल दीनदयाल और चालक वासुदेव शर्मा

को सूचना मिली थी कि धौलपुर पुलिस से 25 हजार और मध्य प्रदेश पुलिस से 30 हजार का इनामी वीरू उर्फ वीरेंद्र (45) पुत्र रामचरण नाई निवासी निजामपुर थाना बाड़ी सदर खुर्दिया के जंगलों में छिपा हुआ है। सूचना पर थाना पुलिस के साथ डीएसटी की टीम ने बदमाश की घेराबंदी की। घेराबंदी करने के बाद टीम के हेड कांस्टेबल नरेंद्र शर्मा और धर्मेंद्र सिंह ने बदमाश को दबोच लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किया गया बदमाश मध्य प्रदेश में पूर्व में किए गए अपहरण को लेकर चर्चा में आया था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी पर पूर्व में 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनको लेकर उसकी तलाश की जा रही थी। गिरफ्तार किए गए बदमाश से पुलिस पूछताछ कर रही है।

मंदिर में सो रहे युवक को भाजयुमो नेता ने बेरहमी से पीटा

जबलपुर। जबलपुर में रात के समय मंदिर में सो रहे युवक को भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता ने लात मारकर उठाया। इसके बाद भाजयुमो के नेता व उसके साथियों ने युवक को बेरहमी से पीटा और उसका वीडियो भी बनाया। पीटा हुआ युवक रहम की गुहार लगाते हुए गलती भी मान रहा था। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामूली धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

बरेला थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतोष यादव उम्र 27 निवासी पुराना जैन मंदिर के पीछे ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह संतोष रजक के पास डायवरी का नाम करता है। वह एक मई को संतोष रजक को घर छोड़कर पैदल बरेला स्थित घर जा रहा था। थके होने के कारण वह किसी वाहन के इंतजार में सालीवाड़ा स्थित हनुमान मंदिर में बैठ गया। थकान के कारण उसे नींद आ गया था। रात लगभग 11 बजे भाजयुमो के नेता अजय दुबे ने मुझे लात मारकर जगाया। इसके बाद अजय दुबे के साथियों ने उसे पकड़ लिया और गाली-गलौज करते हुए लात-घूसों से जमकर पिटाई की।

लोकतंत्र की मजबूती पवित्र साधनों से ही संभव...

नरेंद्र तिवारी पत्रकार
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

भारत में आमचुनाव चल रहे है। हर पांच साल में होने वाले यह चुनाव संसदीय लोकतंत्र की एक व्यवस्था है। जिसके माध्यम से देश की सरकार चुनी जाती है। भारत दुनियां का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। आजादी के बाद से भारतीय लोकतंत्र ने अनेकों खामियों के बावजूद दुनियां को मजबूत और लगातार बढ़ते लोकतंत्र होने का संदेश दिया है। लोकतंत्र की सलामती और मजबूती के लिए पवित्र साधनों की आवश्यकता होती है। किंतु देखने में आया है की अपनी राजनीतिक मजबूती के लिए नेतागण अपवित्र साधनों से चुनाव में विजय होने का प्रयास करते है। वर्ष 2024 के चुनाव में मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में जिस प्रकार से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बम के नामांकन वापसी की घटना घटित हुई उसने लोकतंत्र को शर्मशार किया है। इस घटनाक्रम ने लोकतंत्र में निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा की भावना को ठेस पहुंचाई है। इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम नामांकन वापसी के समय मप्र शासन के मंत्री भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर के विधायक रमेश मेंदोला के साथ कार में सवार थे। कार में सवार भाजपा नेताओं के चेहरों पर विजय मुस्कान झलक रही थी। किंतु सवाल यह उठता है की क्या लोकतंत्र में स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा के अवसर को समाप्त करने के आलोकतात्रिक कदम को उचित ठहराया जा सकता है? क्या लोकतंत्र के चुनावी उत्सव में साधनों की पवित्रता के कोई मायने नहीं है? क्या तिकड़मी चालों और अपवित्र संसाधनों के उपयोग से देश का लोकतंत्र मजबूत होगा? यह सवाल मप्र सहित सम्पूर्ण भारत की जनता के जहन में गूंज रहे है। मप्र सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रमेश मंदौला का कांग्रेस उम्मीदवार के साथ कार में सवार होकर मुस्कुराता चित्र भी इंदौर सहित देश के जनता के सामने घूम रहा है। यह कुटिल मुस्कान विजय या जश्न की मुस्कान नहीं यह लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली मुस्कान मानी जा रही है।

मप्र की इंदौर लोकसभा सीट पर भाजपा बहुत मजबूत मानी जाती है। इस सीट का प्रतिनिधित्व लगातार 8 बार श्रीमती सुमित्रा महाजन ने किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के रूप में इंदौर को गौरवान्वित किया है। उनके बाद इंदौर संसदीय सीट की कमान शंकर ललवानी 2019 के लोकसभा चुनाव में लाखों मतों से विजय होकर संभाली। इस सीट पर भाजपा की मजबूती में कोई संशय नहीं है। विधानसभा चुनाव में इंदौर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली लगभग सभी सीटों में विजय होकर क्लीन स्वीप किया। अभी वर्ष 2024 के 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की जीत के कयास लगाए जा रहे थे। फिर कौनसे और क्या कारण है की कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार को अपना नामांकन वापस लेने की आवश्कता पड़ी। कांग्रेस उम्मीदवार ने अपना नामांकन दाखिल किया था, यह उनकी मर्जी के बिना संभव नहीं हो सकता है। नामांकन वापसी भी उन्ही की मर्जी से संभव हो सकी है। किंतु नामांकन वापसी के लिए प्रयास तो किए गए होगे, इन प्रयासो में भय, लालच और राजनीतिक हैसियत सुनिश्चित करने का हवाला परदे के पीछे दिया गया होगा। यह प्रयास भाजपा की विजय को सुनिश्चित करने के लिए किए गए नजर आ रहे है। इस सम्पूर्ण घटनाक्रम के मध्य आदर्श आचार संहिता के क्या मायने जो लोकसभा चुनाव की तारीख के बाद से ही देश में लागू हो गई है, जिसके अनुसार सभी दल और उम्मीदवार ऐसी सभी गतिविधियों से परहेज करेंगें जो चुनावी आचार संहिता के तहत भष्ट आचरण और अपराध की श्रेणी में आते है। यह आचार संहिता जो आम भारतीय मतदाताओं, नागरिकों, नेताओं, राजनीतिक दलों को अनुशासित करती है। क्या आदर्श आचार संहिता इन नेताओं पर लागू नहीं होती इंदौर का घटनाक्रम चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता को मुंह चिढ़ाता प्रतीत हो रहा है। लोकतंत्र के इस महायज्ञ में आहुतियों की पवित्रता का भी अपना महत्व है। लोकतंत्र की मजबूती पवित्र साधनों से ही संभव है। इसे बनाए रखना देश के सभी नागरिकों का नैतिक दायित्व है। इंदौर में अपने प्रतिस्पर्धी दल के उम्मीदवार का नामांकन वापसी का प्रयास राजनीति के नैतिक मापदंडों के विपरित है। चुनावी राजनीति का साफ और ईमानदार होना राष्ट्र में मजबूत सरकार के चयन के लिए बेहद जरूरी है। इस अलोकतांत्रिक कदम का मुख्य दोषी कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय कांति बम भी है। जिन्होंने कांग्रेस से पहले तो टिकिट प्राप्त किया। फिर निजी स्वार्थों के कारण अपना नामांकन वापस लेने का घोर पाप किया। इस मामले में अजय बागड़िया जो अक्षय कांति बम के वकील है, उन्होंने एक साक्षात्कार में अक्षय बम को इस कृत्य का दोषी माना है। अजय का साफ कहना था की आपने पार्टी से टिकिट मांगा था। जब आपको टिकिट मिल गया तब अपना नामांकन वापिस लेकर कांग्रेस पार्टी और कार्यकताओं के साथ धोखेबाजी की है। एडवोकेट बागडिया ने सख्त भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा इन जैसे लोगो से तो वैश्या बेहतर है जो अपने काम के पार्टी ईमानदारी रहती है। अजय बागड़ियां ने अक्षय बम के नामांकन वापस लेने को प्रलोभन या भय से प्रेरित भी बताया। उन्होंने बेबाकी और साफगोई से भाजपा नेताओं पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। इस घटनाक्रम पर देश की पूर्व लोकसभा सदस्य इंदौर की सबसे अधिक बार सांसद सदस्य रहीं सुमित्रा महाजन ताई ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा ऐसा क्यों किया गया इसकी आवश्यकता नहीं थी। यह भी स्वीकार किया की इंदौर के मतदाता भी इस घटना से नाराज है, जिन्हे वे मनाने का प्रयास करेंगी। इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन वापस लेने पर वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग ने इसे 25 लाख मतदाताओं की हैरानी, परेशानी का कारण बताते हुए इस घटनाक्रम से मतदाताओं के ठगे जाने की बात कही है। उन्होंने इस घटनाक्रम से सबसे ज्यादा कष्ट भाजपा उम्मीदवार शंकर ललवानी को बताया। लिखा वह दिल्ली पहुंचकर मुंह कैसे दिखाएंगे किसे और कितने मतों से हराकर संसद पहुंचे है! आगे लिखा अगर विरोधियों ने नोटा कर दिया और भाजपा के लोग घरों से नहीं निकलेंगे तो इस बार रिकार्ड किस बात का बनेगा? दरअसल इंदौर सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में नामांकन वापसी पर अधिकांश लोगो ने चाहे वह किसी भी राजनैतिक दल से जुड़े हुए हो इसे शर्मनाक और स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए अनुचित बताया है। इसे लोकतंत्र की सेहत के लिए नुकसानकारी मानने वाले लोगो की सख्या उनसे कई अधिक है, जो सफाई में नंबर वन इंदौर की इस घटनाक्रम पर हर्ष, खुशी और प्रसन्नता जाहिर कर रहे है। इस बीच खबर आई की मध्यप्रदेश में हो रहे लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया को समझने के लिए फिलीपींस और श्रीलंका का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल एमपी का दौरा करेगा। दोनो देश की टीम एमपी में रहकर लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया को समझेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के अनुसार यह प्रतिनिधि मंडल भोपाल, सीहोर, रायसेन और विदिशा जिले के मतदान केंद्रों में मतदान की प्रक्रिया का मौके पर जाकर अवलोकन करेगा। यह गर्व की बात है की दूसरे देशों का प्रतिनिधि मंडल भारत के संसदीय चुनाव की प्रक्रिया का अवलोकन करने आया है। इससे पूर्व भी अनेकों देशों का प्रतिनिधिमंडल भारत की प्रजातांत्रिक प्रक्रिया का अध्ययन करने आते रहा है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में आए इस प्रतिनिधि मंडल को मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के चुनाव से दूर रखा गया। किंतु इस प्रतिनिधि मंडल को इंदौर की सूचनाओं से दूर तो नहीं रखा जा सकता है। प्रदेश की सूचनाओं के साथ इंदौर की सूचना भी इस प्रतिनिधिमंडल तक पहुंचेगी। तब यह प्रतिनिधि मंडल भारत के प्रजातंत्र संबंध में अपनी क्या धारणा बनाएगा इसे समझने की आवश्कता है। दरअसल देश में तमाम राजनैतिक विचार रखने वाले दल, नेता और लोग है, किंतु इस बात पर सभी एकमत है की प्रजातंत्र में चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी होना चाहिए। यही संसदीय लोकतंत्र की खूबसूरती भी है। परंतु कुछ नेता अपने राजनैतिक स्वार्थों के कारण भारत के लोकतंत्र को बदसूरत बनाने का प्रयास अपनी हरकतों से कर रहे है। वें येनकेन प्रकारेंन चुनावी जीत में विश्वास करते है। तिकड़मी चालों से चुनावी रण में विजय प्राप्त करने में माहिर ऐसे लोग प्रजातंत्र के असल विरोधी है। जो कुछझ्रकुछ संख्या में सभी दलों में मौजूद रहते है। ऐसे प्रजातंत्र विरोधी नेताओं को यह जान लेना चाहिए की लोकतंत्र की मजबूती पवित्र साधनों से ही संभव है। चुनाव आयोग द्वारा प्रजातंत्र को कमजोर करने वाली इन कोशिशों से सख्ती से निपटा चाहिए।

हॉकी इंडिया ने घोषित की भारतीय जूनियर पुरुष टीम, रोहित करेंगे टीम की अगुआई

नई दिल्ली ■

हॉकी इंडिया ने यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम घोषित कर दी है। टीम रक्षापंक्ति के खिलाड़ी रोहित की अगुआई में 20 से 29 मई तक यूरोप दौरे पर पांच मैच खेलेगी। इस 20 सदस्यीय टीम में शारदानंद तिवारी को उपकप्तान बनाया गया है। हॉकी इंडिया के खिलाड़ियों को अनुभव दिलाने के साथ प्रदर्शन को बेहतर करने की पहल के तहत भारतीय टीम बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड में पांच मैच खेलेगी।

एक दूसरे के खेलने के तरीके को समझ रहे हैं

हॉकी इंडिया के हवाले से कप्तान रोहित ने कहा, हम अपने शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेलने के तरीके को समझ रहे है। अन्य देशों की टीमों के खिलाफ एक साथ खेलना अद्भुत होगा, जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

बेल्जियम के खिलाफ होगी दौरे की शुरुआत

भारत इस दौरे का आगाज 20 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में फिर से बेल्जियम से भिड़ेगी। इसी स्थल पर टीम 23 मई को नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश से खेलेगी। इसके बाद 28 और 29 मई को जर्मनी के खिलाफ खेलेगी। इसमें से पहला मैच जर्मनी, जबकि दूसरा मैच ब्रेडा में होगा।

जूनियर हॉकी टीम

गोलकीपर: प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत
डिफेंडर: शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, रोहित, मनोज यादव, तालेम प्रियो बार्टा
मिडफील्डर: अंकित पाल, रोशन कुजूर, बिपिन बिलवारा रवि, मुकेश टोप्पो, मनमीत सिंह, वचन एच ए
फॉरवर्ड: सौरभ आनंद कुशवाहा, अर्शदीप सिंह, गुरजोत सिंह, मो. कोनैन दाद, दिलराज सिंह, गुरसेवक सिंह

टी20 विश्व कप टीम का चयन फॉर्म के आधार पर नहीं हुआ: जडेजा

कोहली को ओपनिंग तो रोहित को तीसरे नंबर पर उतारें

नई दिल्ली ■

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर अजेय जडेजा ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का चयन पर सवाल उठाए हैं। जडेजा ने कहा है कि चयन फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया। यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप में विराट कोहली को ओपनिंग में उतारने की सलाह दी है जबकि रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर खिलाने का आग्रह किया है।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति ने 30 अप्रैल को टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दी है। भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के साथ खेलेगी। इसके बाद टीम इंडिया का सामना उसके खास प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। यह मैच 9 जून को न्यूयॉर्क में खेला जाएगा। टीम चयन को लेकर अजय जडेजा ने कहा कि विराट कोहली को पारी की ओपनिंग करना चाहिए। रोहित को तीसरे नंबर पर उतारा जाना चाहिए। उसे थोड़ा समय मिल जायेगा क्योंकि बतौर कप्तान उसके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा।

मनोरंजन

नाबालिग उम्र में घर से भागी, शादी से पहले बनीं मां, आज हैं टीवी की एक्ट्रेस

टीवी सीरीयल 'देवों के देव महादेव' में पार्वती से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस पूजा बनर्जी आज भले ही किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं, लेकिन एक समय था जब वो जिंदगी में संघर्ष कर रहीं थीं। पूजा अक्सर अपने पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चे में रहती हैं। जिंदगी में काफी तकलीफ देखने के बाद एक्ट्रेस आज इस बुलंदी पर पहुंची हैं। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी से जुड़ी कुछ बातों का खुलासा किया था। पूजा बनर्जी ने एक बार बताया था कि वह 15 साल की उम्र में घर से भाग गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा था कि 15 साल की उम्र में उन्हें किसी से प्यार हो गया था और उसी के लिए वह घर से भाग गई थी। हालांकि बाद में पूजा को एहसास हुआ कि उनका फैसला गलत था। एक्ट्रेस ने साल 2020 में कुणाल के साथ पहली शादी लॉकडाउन के दौरान की थी। उस समय इस कपल ने रजिस्टर्ड मैरिज की थी। बाद में पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा ने साल 2021 में गोवा में शादी की थी। पूजा शादी के पहले प्रेग्नेंट हो गई थीं। इस वजह से एक्ट्रेस काफी चर्चे में रही थीं। शादी के 6 महीने बाद ही उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया था। पूजा ने 2007 में सीरीयल 'कयामत' से अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद पूजा देखते ही देखते टीवी की दुनिया की स्टार बन गई। पूजा ने अपने करियर में 27 से ज्यादा टीवी सीरियल्स में काम किया है। 'देवों के देव महादेव' सीरियल ने उन्हें लोगों के बीच अलग पहचान दिलाई।

मैं हूं साथ तेरे की कहानी पिता-पुत्र के जटिल बंधन पर आधारित

धारावाहिक मैं हूं साथ तेरे में अपने लुक के बारे में खुलासा करते हुए टीवी एक्टर अली हसन ने कहा कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव है, क्योंकि यह पिता-पुत्र के जटिल बंधन पर आधारित है।सपने सुहाने लड़कपन के और ससुराल सिमर का में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध अली ने कहा, मुझे मैं हूं साथ तेरे के कलाकारों में शामिल होकर बहुत अच्छा लग रहा है, और मेरा किरदार बृज, आर्यमन और जानवी के जीवन में बहुत सारे उतार-चढ़ाव लाएगा। इस किरदार को निभाना मेरे लिए बहुत नया है क्योंकि यह पिता-पुत्र के जटिल बंधन पर आधारित है। उन्होंने कहा, इस शो में मेरा लुक भी बहुत अलग है, दर्शक मुझे पहली बार लंबे बाल, जुड़े और सफेद दाढ़ी में देखेंगे। मेरे फैंस ने हमेशा मुझे मेरे अलग-अलग किरदारों के लिए प्यार दिया है, और मुझे उम्मीद है कि वे मुझे इसके लिए भी अपना प्यार और आशीर्वाद देंगे। यह शो सिंगल मां जानवी (उल्का गुप्ता अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपने बेटे कियान के साथ रहते हुए अकेले ही माता-पिता बनने की चुनौतियों का सामना करती है। कहानी में अमीर बिजनेसमैन आर्यमन भी शामिल है, जो जानवी को पसंद करता है और उसकी प्रेम कहानी का भाग्य छोटे बच्चे कियान के हाथों में है। मैं हूं साथ तेरे जी टीवी पर प्रसारित होता है। बता दें कि इस शो में एक्टर करण वोहरा भी है, उनके किरदार का नाम आर्यमन है। अली उनके पिता 60 वर्षीय बृज प्रताप सिंह बुंदेला की भूमिका में हैं, जो सफल होटल बिजनेसमैन हैं।

मैंने सनी से ज्यादा ताकतवर इंसान कभी नहीं देखा: बॉबी देओल

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल स्ट्रीमिंग कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नवीनतम एपिसोड में नजर आए। इस दौरान एक्टर ने खुलासा किया कि उनके भाई सनी देओल की पीठ की कई सर्जरी हुई, लेकिन वह अभी भी मजबूत हैं और आसानी से एक्शन सीन कर सकते हैं। बॉबी ने शेयर किया, वास्तविक जीवन में अगर सुपरमैन जैसा कोई मजबूत व्यक्ति है, तो वह मेरा भाई है। मैंने उनसे ज्यादा ताकतवर इंसान कभी नहीं देखा। उनकी पीठ की कई सर्जरी हुई है, लेकिन इसके बावजूद, जब भी उन्हें किसी भूमिका के लिए किसी को उठाने की आवश्यकता होती है, तो वह इसे आसानी से कर लेते हैं। मजेदार बात यह है कि वह ये सब ऐसे कर लेते हैं जैसे उसका कोई वजन ही नहीं है। 2022 में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान पीठ में चोट लगने के बाद सनी ने अमेरिका में अपना इलाज करवाया। देओल्स के लिए साल 2023 बहुत अच्छा रहा। उनकी सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं, जिनमें रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, जिसमें धर्मेंद्र ने अभिनय किया था।

पैरालिंपिक में पदक जीतना चाहती है टेटे खिलाड़ी विजया

हैदराबाद। यूटीटी पैरा टेबल टेनिस नेशनल चैंपियनशिप में सबसे कम उम्र की पदक विजेता विजया दीपिका गंगापट्टनम का लक्ष्य अब पैरालिंपिक में भारत के लिए पदक जीतना है। विजया ने राष्ट्रीय स्तर पर एकल में रजत और युगल में अपने जोड़ीदार के साथ कांस्य पदक जीता है। विजया का यहां तक का सफर जुझारु क्षमता की मिसाल है। हव हड्डियों की एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जिसके कारण उसके शरीर में 45 फ्रैक्चर हैं। यहां तक कि झटके लगने पर भी हजिंदगी हड्डी टूट जाती है। इसके बाद भी कठिन परिश्रम कर विजया ने टेबल टेनिस खेलकर अपनी किस्मत बदली है। विजया का भाई भी टेबल टेनिस खेलता है। उसे इस खेल में पिता का पूरा समर्थन मिला। विजया के पिता ने कहा कि उसे जन्म के दौरान भी फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा क्योंकि डॉक्टरों को उसकी पहले से स्थिति के बारे में पता नहीं था। विजया के ज्यादातर फ्रैक्चर तब हुए जब वह छोटी थी और घुटनों के बल चल रही थी। उसे अपने शरीर का भार अपने हाथों पर उठाना पड़ता था। वह अलग अलग तरह के व्हीलचेयर का उपयोग करती है।

फरीदा ने 17 साल की उम्र में शुरू किया फिल्मी सफर

एक्ट्रेस फरीदा जलाल ने 17 साल की उम्र में अपना फिल्मी सफर शुरू किया। एक्ट्रेस की पहली फिल्म तकदीर थी। फरीदा ने पर्दे पर हीरो की बहन, मां और दादी जैसे कई किरदार निभाए हैं। सूरज बड़जात्या के दादा ताराचंद बड़जात्या ने उन्हें रोल ऑफर किया था। कैसे उन्हें उनकी पहली भूमिका की पेशकश की गई, इसकी अपनी एक कहानी है, कुछ ऐसा जो शायद ही कलाकारों के साथ होता है।

वह यूनाइटेड फिल्म प्रोड्यूसर्स टैलेंट हंट का हिस्सा थीं, जिसे उन्होंने जीता, जहां उनके को-फाइनलिस्ट हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना थे। जब काका और फरीदा को विजेता का ताज पहनाया जा रहा था, तब ताराचंद दर्शकों के बीच बैठे थे। यही वह समय था जब ताराचंद ने उन्हें अपनी फिल्म में गीता की भूमिका की पेशकश की। फरीदा ने सिनेमा में कई किरदार निभाए हैं, लेकिन उनके टाइपकास्ट होने का पहला फेज तब शुरू हुआ जब उन्हें गोपी में दिलीप कुमार की बहन की भूमिका की पेशकश की गई। एक्ट्रेस ने पहले इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने फिल्म में दिलीप कुमार की बहन की भूमिका निभाने का मौका इसलिए छोड़ दिया क्योंकि वह अभिनेता से प्यार करती थीं। इसके बाद उन्हें हीरो की बहन की कई भूमिकाएं मिलीं, जिसमें उन्होंने धर्मेंद्र, जीतेंद्र, मनोज कुमार, संजीव कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे कलाकारों के साथ काम किया। हाल ही में उन्हें संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू हीरामंडी: द डायमंड बाजार में कुदसिया बेगम की भूमिका निभाते हुए देखा गया है।

लीवर कप हो सकता है रफेल नडाल का अंतिम टूर्नामेंट

बार्सिलोना। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे। ऐसे में ये उनका अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह ही बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं।'' वह लंबे समय से चोटों से परेशान रहे हैं। इसी कारण उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेली जाती है। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।''

शुभमन ने हरलीन देओल को दिए बैटिंग टिप्स

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने अभ्यास के बाद भारतीय महिला क्रिकेटर हरलीन देओल के साथ बातचीत की। जिसका वीडियो गुजरात ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया। वहीं वीडियो में देखा जा सकता है कि गिल हरलीन को क्रिकेट शॉट को लेकर कुछ बता रहे हैं। बता दें कि, हरलीन भी महिला प्रीमियर लीग में गुजरात के लिए खेलती हैं। हरलीन महिला प्रीमियर लीग में चोटिल हो गई थीं, यूपी वॉरियर्स के खिलाफ हुए एक मैच में उनके घुटने में चोट लग गई थी। गुजरात टाइटंस के लिए आज अहम मुकाबला है, उसे जीतना जरूरी है तभी वह प्लेऑफ की लड़ाई में दावेदारी पेश करेगी। गुजरात टाइटंस 10 में से सिर्फ 4 मैच जीते हैं, उसके 8 अंक हैं। टीम के 4 मैच बचे हैं, चारों जीतने के बाद वह 16 अंकों तक पहुंच सकती है।

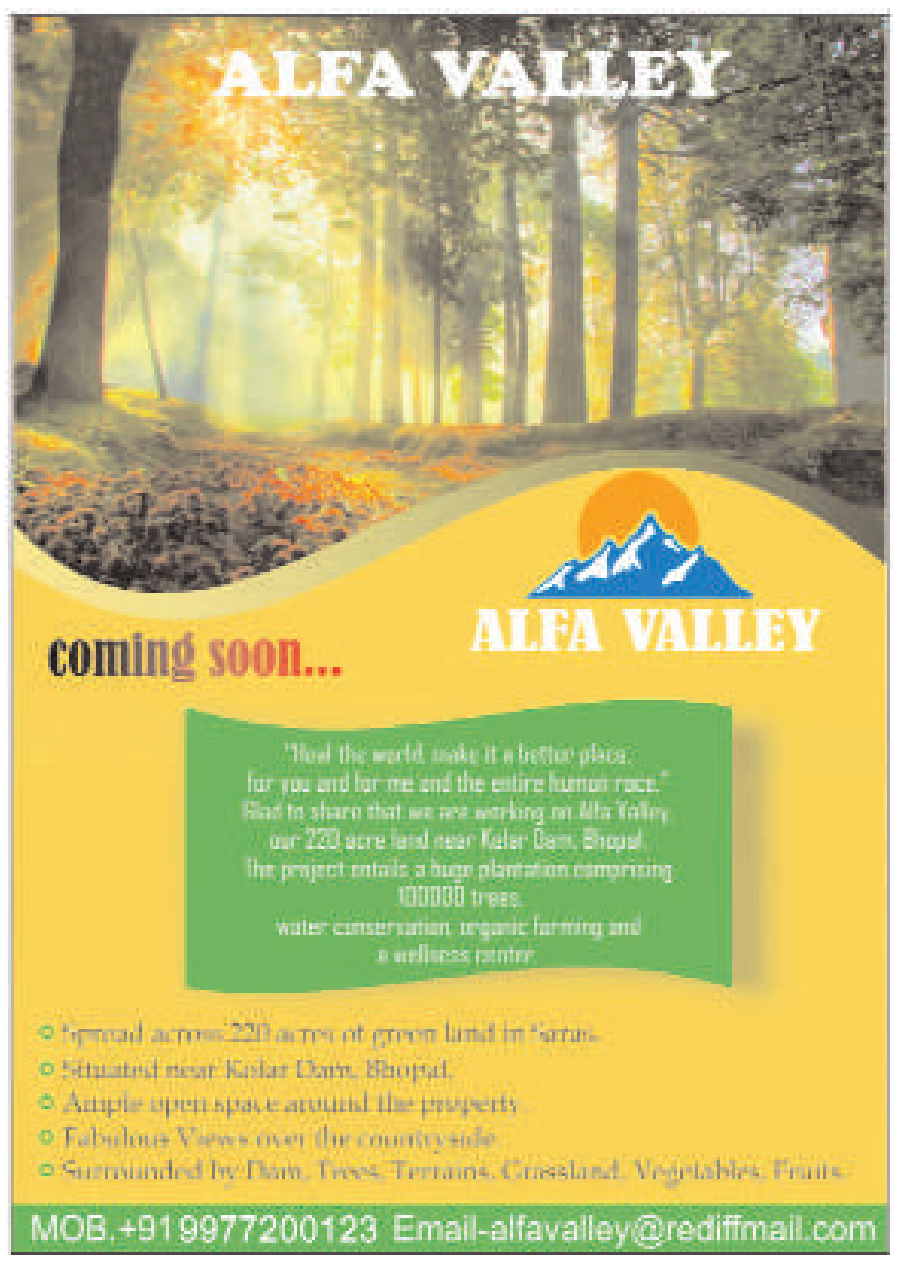

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**